मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 38
रविवार, 17 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पूरे देश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 2025 का उल्लास, मथुरा-वृंदावन में उमड़ी भक्तों की भीड़

नई दिल्ली, 16 अगस्त। आज पूरे देश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा और वृंदावन में उत्सव की खास धूम देखने को मिली, जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए।

जन्माष्टमी के मौके पर वृंदावन में लगभग 10 लाख भक्तों की भीड़ उमड़ी। बांके बिहारी मंदिर के बाहर दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं, जहां भक्तगण अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि पर भी विशेष आयोजन किए गए। इस साल मंदिर को 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर सजाया गया, जिसमें ठाकुरजी के फूल बंगले को खास तौर पर कोलकाता और बेंगलुरु से मंगाए गए सिंदूरी फूलों से सजाया गया। ठाकुरजी की

पोशाक भी आकर्षण का केंद्र रही, जिसे मथुरा के कारीगरों ने छह महीने की मेहनत से सोने और चांदी के तारों से तैयार किया। इस पोशाक में इंद्रधनुष के सात रंगों का सुंदर मेल भी देखने को मिला।

राजस्थान के नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव की शुरूआत सुबह मंगला दर्शन के साथ हुई, जहां ठाकुरजी को दूध, दही, घी, शक्कर और शहद से पंचामृत स्नान कराया गया। रात 12 बजे कान्हा के जन्म पर 21 तोपों की सलामी दी जाएगी, जिसके बाद ठाकुरजी को पंचामृत से स्नान करवाया जाएगा।

वहीं, महाराष्ट्र के मुंबई में जन्माष्टमी के मौके पर दही हांडी का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गुजरात के द्वारिका मंदिर में भगवान द्वारिकानाथ का स्नान, अभिषेक और शृंगार आरती दर्शन का आयोजन हुआ। कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित इस्कॉन मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए उत्साहित नजर आए।

बेंगलुरु में प्लास्टिक सामान निर्माण इकाई में आग लगी, एक परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत

बेंगलुरु, 16 अगस्त। बेंगलुरु के के.आर. मार्केट के पास नागरथपेट क्षेत्र में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक इकाई में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने मृतकों की पहचान मदन सिंह (38), संगीता (33) और उनके दो बच्चों रितेश (7) और विहान (5) तथा पड़ोसी सुरेश कुमार (26) के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, मदन सिंह राजस्थान के मूल निवासी थे और लगभग 10 सालों से इस इमारत को किराए पर ले रखा था। वह एक छोटी फैक्टरी चलाते थे जहां प्लास्टिक के सामान के साथ-साथ चटाई भी बनायी जाती थी। वह इमारत की सबसे ऊपरी

मंजिल पर रहते थे।

पुलिस ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह करीब तीन बजकर 14 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली।

एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए आठ वाहन लगाए गए हैं और 55 दमकलकर्मी तथा 21 अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, यह एक तरह का गोदाम है जहां काफी सामान रखा हुआ है। इस वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत शहर के घनी आबादी वाले कारोबारी इलाके में स्थित है।

असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने गुवाहाटी में बैठक की

असम, 16 अगस्त। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अपने मेघालय समकक्ष कोनराड के संगमा से यहां मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज गुवाहाटी में मेरी मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री श्री कोनराड के संगमा के साथ चर्चा हुई। हमने दोनों राज्यों की साझा प्रगति को मजबूत करने के लिए कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। दोनों मुख्यमंत्रियों की पिछली मुलाकात दो जून को हुई थी, जिसमें स्वतंत्रता दिवस तक 12 विवादित क्षेत्रों में से पांच पर सीमा स्तंभ स्थापित करने पर सहमति बनी थी। असम और मेघालय ने

मार्च 2022 में छह क्षेत्रों के सीमा विवाद को हल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सीमा स्तंभ पांच क्षेत्रों में लगाने पर सहमति बनी थी, जबकि छठे क्षेत्र पिलिंगटा को लेकर व्याख्या में अंतर होने के कारण वहां फिलहाल निर्माण नहीं करने का निर्णय लिया गया था। इस मुद्दे पर दोनों राज्यों के उपायुक्तों के स्तर पर चर्चा होनी थी। वर्ष 1972 में असम से अलग कर मेघालय को राज्य का दर्जा दिया गया था। इस दौरान असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को मेघालय ने चुनौती दी थी, जिसके चलते 884.9 किलोमीटर लंबी सीमा पर 12 क्षेत्रों में विवाद उत्पन्न हुआ। मई 2021 में असम का मुख्यमंत्री बनने के बाद शर्मा ने पड़ोसी राज्यों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया था। इसके बाद, अगस्त 2021 में तीन क्षेत्रीय समितियां गठित की गईं और उनकी रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपी गई। इसके आधार पर दोनों मुख्यमंत्रियों ने 29 मार्च, 2022 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर 12 विवादित क्षेत्रों में से छह का समाधान किया।

उपराष्ट्रपति के लिए एनडीए में मंथन जारी, 19 अगस्त को संसदीय दल की बैठक

नई दिल्ली, 16 अगस्त। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी संसदीय बैठक 19 अगस्त 2025 को सुबह 9:30 बजे होगी। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, यह बैठक संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) के जी.एम.सी. बालयोगी सभागार में होगी और लोकसभा व राज्यसभा के सभी एनडीए सदस्यों से समय पर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है। यह सूचना एनडीए संसदीय दल के कार्यालय सचिव डॉ. शिव शक्ति नाथ बख्शी द्वारा जारी की गई। माना जा रहा है कि इसके बाद उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार का ऐलान हो सकता है।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) रविवार, 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में अपनी संसदीय बोर्ड की बैठक आयोजित करेगी। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार पर भी चर्चा होने की संभावना है। पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया, भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक 17 अगस्त 2025 को दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में निर्धारित थी। इसमें संसदीय बोर्ड के सभी सदस्य शामिल हुए। इसमें भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार पर भी चर्चा हो सकती है।

इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय बोर्ड के अन्य सदस्यों के मौजूद रहने की उम्मीद है। 6 अगस्त को, सत्तारूढ़ एनडीए के नेताओं ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा प्रमुख एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार को अंतिम रूप देने का अधिकार दिया गया था।

74 वर्षीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए 21 जुलाई 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उपराष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा था, स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूँ। चुनाव आयोग ने भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। यदि चुनाव लड़ा जाता है।

वोट चोरी' के दावों के बीच आज चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली, 16 अगस्त। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शनिवार को घोषणा की कि वह रविवार, 17 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। ईसीआई ने कहा कि भारत चुनाव आयोग कल, यानी रविवार, 17 अगस्त, 2025 को दोपहर 3:00 बजे राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, रायसीना रोड, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद संवैधानिक निकाय द्वारा आयोजित यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। घोषणा के अनुसार, केवल प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) से मान्यता प्राप्त पत्रकारों और स्टिल या टीवी कैमरामैन को ही कार्यक्रम स्थल

में प्रवेश की अनुमति होगी।इस ब्रीफिंग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोपों सहित हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'मतदाता अधिकार यात्रा' से पहले हो रही है, जो वह एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में कर रहे हैं। गांधी ने लोगों से इस जन आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया है। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्षी नेताओं द्वारा वोट चोरी के आरोप लगाए जाने के बाद से यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस भी होगी।

चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य इस महीने की शुरूआत में शुरू किया था, जो राज्य विधानसभा चुनावों से लगभग चार महीने पहले है। इस शुरूआती शुरूआत ने विपक्षी दलों की ओर से सवाल खड़े कर दिए हैं और संसद के चल रहे मानसून सत्र में यह बहस का मुद्दा बन गया है। राहुल गांधी ने पिछले हफ़्ते चुनाव आयोग की आलोचना तेज कर दी है और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, जिससे उनका दावा है कि भाजपा को फायदा हुआ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने विशेष रूप से चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे प्रमुख राज्यों में मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने का आरोप लगाया। यह विवाद तब और तूल पकड़ गया जब गांधी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र, जो बेंगलुरु मध्य लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, में कुल 6.5 लाख में से 1 लाख से ज्यादा वोट फर्जी तरीके से डाले गए।

सिलवासा में व्यक्ति ने अपने दो दिव्यांग बच्चों की हत्या के बाद फंदे से लटककर जान दी

सिलवासा। केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव के सिलवासा में एक व्यक्ति ने पत्नी के हाल ही में उसे छोड़कर चले जाने के बाद अपने दो दिव्यांग बच्चों की कथित तौर पर हत्या कर दी और फिर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिलवासा थाने के उपनिरीक्षक अनिल टी के ने बताया कि सुनील भाकरे (56) ने शुक्रवार दोपहर समरवरनी इलाके में किराए के अपने मकान में जय (18) और आर्य (10) की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी।

बुरी आदतों की बेड़ियों से मुक्ति है सच्ची आजादी

-सुरेश गांधी

स्वतंत्रता संग्राम का मूल उद्देश्य केवल अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति पाना नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना था जो न्याय, समानता, पारदर्शिता और जनकल्याण के सिद्धांतों पर खड़ा हो। आजादी के 78 वर्ष बाद भी, जब हम राष्ट्रगान के साथ तिरंगा लहराते हैं, तो यह सवाल मन में उठता है, क्या हम वास्तव में उस सपनों के भारत को पा सके हैं जिसकी कल्पना हमारे पूर्वजों ने की थी? दुर्भाग्य से, आज देश के सामने तीन ऐसी जकड़नें हैं जो हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को कमजोर कर रही हैं, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण। ये तीनों न केवल शासन-प्रशासन की पारदर्शिता को निगलते हैं, बल्कि राष्ट्र की विकास गति को भी बाधित करते हैं। जी हां, देश को बाहरी दुश्मनों ने नहीं, बल्कि इन आंतरिक बुराइयों से सबसे बड़ा खतरा है। जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण खत्म नहीं होते, तब तक 1947 की स्वतंत्रता अधूरी है। सच्ची आजादी वही होगी, जब हर नागरिक को समान अवसर, ईमानदार शासन और न्यायपूर्ण व्यवस्था मिले।

या यूं कहे अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाने के बाद भी यदि हम इन तीन जकड़नों से मुक्त नहीं हो पाते, तो यह आजादी अधूरी है। असली आजादी तब होगी जब भ्रष्टाचार पर पूरी तरह लगाम लगे और हर योजना का लाभ पारदर्शिता के साथ जनता तक पहुंचे। परिवारवाद का अंत हो और नेतृत्व का चयन केवल योग्यता, ईमानदारी और जनसेवा के आधार पर हो। तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त हो और हर नागरिक को समान अधिकार, अवसर और न्याय मिले, बिना जाति, धर्म या क्षेत्र के भेदभाव के। मतलब साफ है आजादी की सालगिरह सिर्फ झंडा फहराने और भाषण देने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। यदि हम इन तीनों विकृतियों को समाप्त करने का संकल्प लें, तभी हम अपने बच्चों को एक सशक्त, समृद्ध और सच्चे अर्थों में स्वतंत्र भारत सौंप पाएंगे।

अनुशासन से स्वतंत्रता

किसी संगठन या व्यक्ति में अनुशासन की कमी का दोष अक्सर दूसरों पर डाल दिया जाता है, जबकि सुधार की शुरूआत खुद से होनी चाहिए। ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना, गलत जानकारी देना, समय पर काम न करना, ये सब छोटी-छोटी अनुशासनहीनताएं हैं, जिनसे छुटकारा पाना जरूरी है।

तनाव और चिंता से मुक्ति

चिंता कभी खत्म नहीं होती - पढ़ाई, नौकरी, प्रमोशन... हर मोड़ पर नई चिंता। असल में हमें समस्या नहीं, बल्कि अपनी प्रतिक्रिया मारती है। ऐसे में अपना ध्यान उन चीजों पर लगाएं, जिन पर आपका नियंत्रण है। अपने लिए नई चुनौतियां तय करें, सकारात्मक सोच अपनाएं और मानसिक शांति बनाए रखें।

नशे की लत से आजादीः नशे से छुटकारा पाना कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। सही इलाज, पर्याप्त नींद, व्यायाम और नशे के माहौल से दूरी इस मुक्ति में सहायक होते हैं।

भौतिकवाद की बेड़ियांः हमारी इच्छाएं और दिखावटी जीवनशैली हमें प्रकृति और सरलता से दूर कर रही हैं। हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पौधा लगाए, पानी की बर्बादी रोके और संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करे। फिजूलखर्ची पर नियंत्रणः पैसा आपका सेवक है, मालिक नहीं। खर्च करने से पहले सोचें,क्या यह जरूरत है या सिर्फ चाहत? न्यूनतम जीवनशैली अपनाकर बचत और संतोष दोनों पाया जा सकता है।

समय का अनुशासनः आज का काम कल पर न टालें। अगले दिन का शेड्यूल रात में ही तय करें, अधूरे काम को प्राथमिकता दें और खुद को समय पर काम पूरा करने की आदत डालें।

स्वास्थ्य की आजादीः तेज रफ्तार जिंदगी में स्वास्थ्य अक्सर पीछे छूट जाता है। नियमित व्यायाम, योग और संतुलित आहार से शरीर को बीमारियों के बंधन से मुक्त रखा जा सकता है।

भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण से मुक्ति बगैर अधूरी है आजादी

भ्रष्टाचार केवल पैसों की हेराफेरी नहीं, बल्कि यह व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास तोड़ने वाली बीमारी है। जब जनता देखती है कि मेहनत और योग्यता से ज्यादा रिश्वत और जोड़-तोड़ से काम होते हैं, तो उसकी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं। आजादी के बाद से अनेक योजनाएं बनीं, बजट आवंटित हुए, लेकिन भ्रष्ट तंत्र ने उनकी सफलता को निगल लिया। भ्रष्टाचार की जड़ें केवल सरकारी दफ्तरों में ही नहीं, बल्कि समाज के हर स्तर तक फैली हैं, राजनीति से लेकर व्यवसाय और शिक्षा तक। लोकतंत्र की ताकत सबकी भागीदारी में है, लेकिन जब राजनीतिक दल या संस्थाएं कुछ परिवारों की जागीर बन जाती हैं, तो लोकतंत्र केवल नाम का रह जाता है। परिवारवाद से न केवल नई और प्रतिभाशाली नेतृत्व पीढ़ी का मार्ग अवरुद्ध होता है, बल्कि नीतियां भी जनहित के बजाय निजी हित में बनने लगती हैं। चाहे राष्ट्रीय स्तर पर हो या स्थानीय निकायों में, जब सत्ता व नेतृत्व की चाबी वंशानुगत हो जाती है, तो जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन एक खोखला नारा बन जाता है। तुष्टिकरण की नीति, किसी विशेष वर्ग या समुदाय को खुश करने के नाम पर, समाज में कृत्रिम विभाजन पैदा करती है। यह न केवल समानता और न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है, बल्कि इससे सामाजिक सौहार्द भी खतरे में पड़ता है। जब शासन का आधार निष्पक्षता और कानून के राज के बजाय वोट बैंक बन जाता है, तो नीतियां राष्ट्रहित में नहीं, बल्कि चुनावी गणित में बनती हैं। कहने का अभिप्राय है कि जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जिंदा हैं आजादी का कोई मायने नहीं, क्योंकि सत्ता की ये तीन जकड़नें ऐसी है, जो आजादी के मायने निगल रहीं हैं। तिरंगे के साए में लोकतंत्र की ये तीन सबसे बड़ी बीमारियां ये अहसास कराती है कि 78 साल बाद भी गुलामी की नई जंजीरों में जकड़ा हुआ है। भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण ये तीनों लोकतंत्र के न सिर्फ घातक दुश्मन है, बल्कि ये साबित करती है कि भारत से सिर्फ अंग्रेज गए, ये तीन गुलामियां अभी बाकी हैं। जब तक इनसे मुक्ति नहीं मिलेगी, तब तक स्वतंत्रता का सपना अधूरा रहेगा।

भारत ने 1947 में विदेशी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन आजादी के 78 साल बाद भी तीन आंतरिक दुश्मन हमारे लोकतंत्र और विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट बने हुए हैं, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण। ये तीनों बुराइयाँ न केवल शासन-प्रशासन को कमजोर करती हैं, बल्कि समाज की एकता और आर्थिक प्रगति को भी पीछे धकेल देती हैं। भ्रष्टाचार सिर्फ रिश्वतखोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रतीक है जिसमें निजी लाभ के लिए कानून और नैतिकता की बलि दी जाती है। इससे विकास योजनाओं का पैसा गलत जेबों में चला जाता है, ईमानदार अफसर हाशिये पर चले जाते हैं, और जनता का लोकतंत्र पर विश्वास डगमगाने लगता है। इसे खत्म करने के लिए पारदर्शी व्यवस्था, कड़े दंड और लोकपाल जैसी संस्थाओं को मजबूती देना जरूरी है।

खासतौर से जब राजनीति या संस्थानों में वंश और रिश्तेदारी, योग्यता से ऊपर रखी जाती है, तो लोकतंत्र जनतंत्र से परिवारतंत्र में बदल जाता है। राजनीति में यह प्रवृत्ति, प्रतिभाशाली कार्यकर्ताओं का हक छीन लेती है, नीतियों को परिवार केंद्रित बना देती है, और जनता के विश्वास को चोट पहुंचाती है। इससे निपटने के लिए दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र और पारदर्शी नेतृत्व चयन आवश्यक है। तुष्टीकरण का मतलब है किसी विशेष वर्ग या समुदाय को अनुचित लाभ देकर राजनीतिक फायदा लेना। इसके दुष्परिणाम समाज में असमानता और असंतोष बढ़ता है, राष्ट्रीय एकता कमजोर होती है, और विकास योजनाएं वोट बैंक के बोझ तले दब जाती हैं। समान अवसर और न्याय आधारित नीतियां ही इसका विकल्प है। इन बुराइयों से मुक्ति के लिए, चुनावी चंदे में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों का सख्त पालन हो। वोट देने से पहले सोच-समझकर निर्णय लेने की पहली शर्त हो। सीबीआई, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को दबाव से मुक्त करना हो, जो उदाहरण बनें, न कि अपवाद।

आगे का स्वर्णिम पथः आजादी के 78 वर्ष बाद भारत एक बार फिर उस पहचान की ओर बढ़ रहा है, जिसके लिए कभी उसे सोने की चिड़िया कहा जाता था। जब 15 अगस्त 1947 को यह देश गुलामी की जंजीरों से मुक्त हुआ, तब हमारे पास न पर्याप्त अनाज था, न मजबूत उद्योग, न आधुनिक शिक्षा और न ही रक्षा क्षमता। लेकिन आज, भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। फोर्ब्स का अनुमान है कि अगले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 8 ट्रिलियन डॉलर की होगी, जबकि जेफरीज और पीडब्ल्यूसी का मानना है कि यह 10 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर सकती है। अभी हमारी जीडीपी लगभग 3.94 ट्रिलियन डॉलर है और बीते दशक में औसतन 7 फीसदी की दर से बढ़ी है। विशेषज्ञों का आकलन है कि आने वाले 10-20 वर्षों में यह वृद्धि दर 10 फीसदी तक पहुंच सकती है।

मैन्युफैक्चरिंग और रक्षा में नई पहचानः मेक इन इंडिया और पीएलआई स्कीम का असर अब दिखने लगा है। विदेशी कंपनियां चीन का विकल्प तलाशते हुए भारत का रुख कर रही हैं। अगले दशक में भारत वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। रक्षा क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में रक्षा निर्यात 25 फीसदी बढ़कर ?20,915 करोड़ तक पहुंच गया। आने वाले वर्षों में भारत दुनिया के शीर्ष 10 रक्षा निर्यातक देशों में शामिल हो सकता है और 2040 तक टॉप 5 में भी।

79वे स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अविस्मणीय भाषण

अशोक भाटिया

79वें स्वतंत्रता दिवस पर ढट मोदी ने लाल किले पर लगातार 12वीं बार तिरंगा फहराया। इस दौरान उन्होंने 103 मिनट का भाषण दिया। यह अब तक के किसी भी प्रधानमंत्री का लाल किले से दिया सबसे लंबा भाषण है।लाल किले पर भाषण देकर मोदी ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने 2015 में 88 मिनट का भाषण दिया था। तब उन्होंने पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा था। नेहरू ने 1947 में 72 मिनट का भाषण दिया था। सच हो या झूठ, जिनके पास बात करने के लिए बहुत सारे मुद्दे हैं और जो इस मौके पर देश के सामने पेश करना चाहते हैं, उनका भाषण लंबा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल लाल किले से जो भाषण दिया वो ठीक वैसे ही जैसे एक ऐसे राष्ट्र के नेता को अपने स्वतंत्रता दिवस पर बोलना चाहिए जो अगले दो दशकों के बाद अपने माथे पर बैठकर विकासशील राष्ट्र की मुहर पोंछकर गर्व से 'विकसित राष्ट्र' का खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध है।ऊर्जा के बदलते स्रोत और आत्मरक्षा के लिए देश द्वारा अपनाई गई नीतियां सभी महत्वपूर्ण मुद्दे थे जिन्हें उनके लंबे भाषण में उजागर किया गया था। बदलती तकनीक और दुनिया की बदलती अर्थव्यवस्था आज के प्रमुख मुद्दे हैं। पूरी दुनिया एक अस्थिर दौर से गुजर रही है। यह अस्थिरता केवल हिंसक घटनाओं या युद्ध के कारण है। कोई अस्थिरता नहीं। दुनिया की अर्थव्यवस्था बदल रही है। नए युग में, युद्ध अब युद्ध के मैदान के बजाय आर्थिक मोर्चे पर होंगे। एक समय था जब दुनिया पर अंग्रेजों का नियंत्रण था। उनका साम्राज्य दुनिया के हर कोने में फैला हुआ था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, इंग्लैंड की अर्थव्यवस्था शुरू हुई। एक नई आर्थिक शक्ति, अमेरिका, उभरी। अब यह अर्थव्यवस्था भी हिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि एशिया में सत्ता का कांटा घूम रहा है। चीन को भी इस संबंध में देखा जा रहा है। भारत तीसरी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से दो एशिया में हैं। अगर अर्थव्यवस्था के लिहाज से चीन और भारत दोनों को दुनिया की दो महाशक्तियों के रूप में गिना जाए तो भूगोल और आर्थिक के लिहाज से दुनिया का पूरा ढांचा बदल जाएगा।

देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी इस स्थिति में जो कहते हैं, उसे पूरी दुनिया देख रही थी। पाकिस्तान भारत का पारंपरिक दुश्मन है। यह अमेरिका और चीन दोनों शक्तिशाली महाशक्तियों का दोष है। यह सर्वविदित है। पाकिस्तान का नेतृत्व राजनीतिक नहीं है। यह वास्तव में सेना है जो ऐसा करती है। सेना की नीतियां, सोच और निर्णय लेने की प्रक्रिया राजनीतिक नेतृत्व की नीतियों, सोच और निर्णय लेने की प्रक्रिया से बहुत अलग है। यह एक तथ्य है कि पाकिस्तान को किसी भी तरह से परमाणु हथियारों से लैस कर दिया गया है। कुछ महान शक्तियों ने भारत को निरंतर शांति में रखने के लिए इसे पाकिस्तान को सौंप दिया है। भारत ने इसके खिलाफ थोड़ा आक्रामक रुख अपनाया ।फिर भी ये महाशक्तियां तेजी से भारत को पाकिस्तान की परमाणु तैयारी में डराने की कोशिश कर रही हैं। भारत और पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति पिछले कुछ महीनों में पूरी तरह से उजागर हो गई है। पाकिस्तान पर काबू पाते हुए भारत को आर्थिक संकट में डालने की ट्रंप की रणनीति भी अब साफ हो गई है। इसलिए पाकिस्तान और ट्रंप को एक ही समय में चेतावनी देना जरूरी था। यह अच्छी बात है कि मोदी ने इसे अपने चिरपरिचित अंदाज में स्पष्ट और कड़े शब्दों में दिया। किसी भी राष्ट्र की ताकत उसके राष्ट्राध्यक्ष की भाषा में झलकती है। मोदी की भाषा ने कल इस धारणा की पुष्टि की। भारत उनमें से नहीं है जो अमेरिका के आयात कर लगाने और फिर जुमार्ना लगाने की जिद से दबा रहे। जाहिर है कि भारत के कुछ सेक्टर, प्रमुख घटकों को नुकसान होने वाला है। इससे भारत की जीडीपी और आय पर भी असर पड़ने की संभावना है। लेकिन जब बात देश की संप्रभुता की आती है तो ऐसी बाधाओं को दूर करने में दोगुनी ताकत लगती है। पूरे विश्वास के साथ नए विकल्प खोजने होंगे। मोदी के भाषण में यह दृढ़ संकल्प स्पष्ट था।यह भी हम सभी भारतीयों के लिए बहुत संतोष का विषय होगा।

अमेरिका द्वारा शुरू की गई आर्थिक दादागिरी और चीन के साथ हमारे सीमित संबंधों को देखते हुए, भारत को आत्मनिर्भरता के मंत्र पर पहले से कहीं अधिक गंभीरता से चलना होगा। जब देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की जरूरत थी, तब हम 'हरित क्रांति' को जोड़ने के लिए पशुपालन की 'श्वेत क्रांति' में सफल हुए । मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए 'नीली क्रांति' की घोषणा की गई थी। लेकिन बहुत कुछ नहीं हुआ है। अब भारत को प्रौद्योगिकी में तेजी से आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है, खासकर रक्षा उपकरण, उर्वरक, चिकित्सा और ऊर्जा के क्षेत्र में। मोदी ने अपने भाषण में इन सभी क्षेत्रों में जिस प्राथमिकता और विस्तार का उल्लेख किया, उससे देश का नेतृत्व कितना जागरूक है। यह पता चला। यह देश के युवाओं के लिए सबसे बड़ा वादा है। स्वतंत्रता दिवस पर देश के प्रधानमंत्री क्या कहते हैं, इस पर अलग-अलग देशों में राजनयिक स्तर पर ध्यान दिया जाता है। देश की क्षमताओं के बारे में जो कहा जाता है वह देश के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है। मोदी के भाषण में इन बातों की जानकारी भी थी और एक महान वादा भी। ये देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस का बड़ा तोहफा है।

अंत में एक बात और प्रधानमंत्री ने 12 साल में पहली बार लाल किले से फ्ग़र का जिक्र करते हुए कहा कि 'आज गर्व के साथ मैं इस बात का जिक्र करना चाहता हूं कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 100 साल की राष्ट्र की सेवा बहुत ही गौरवपूर्ण है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर 100 साल मां भारती के कल्याण का लक्ष्य लेकर मातृभूमि के लिए अपना जीवन समर्पित किया, सेवा, समर्पण संगठन और अप्रतिम अनुशासन जिसकी पहचान रही है। ऐसा आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है।

पीएम ने कहा- जब हम लोकतंत्र और स्वतंत्र भारत की बात करते हैं, तो हमारा संविधान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। लेकिन आज से 50 साल पहले संविधान का गला घोंट दिया गया था। देश में आपातकाल लगाया गया था। देश की किसी भी पीढ़ी को संविधान की हत्या करने वाले पापियों को भूलना नहीं चाहिए।मैंने इसी लाल किले से पंच प्रण की बात कही थी। एक बार फिर से स्मरण करना चाहता हूं। भारत को विकसित बनाने के लिए न झुकेंगे, न रुकेंगे, परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे, 2047 में विकसित भारत बनाकर रहेंगे।हम जीवन में, व्यवस्था, परंपराओं में गुलामी का कोई कण बचने नहीं देंगे। हम अपनी विरासत पर गर्व करेंगे। हमारी पहचान का सबसे बड़ी पहचान विरासत है, इसका गर्व करेंगे। एकता सबसे शक्तिशाली मंत्र है। एकता की डोर कोई काट न सके, इसका संकल्प लेंगे।मां भारती के प्रति कर्तव्य निभाना पूजा, आराधना से कम नहीं है। इसी भाव से हम सब मातृभूमि के कल्याण के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए 2047 विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अपने आप को खपा देंगे, झोंक देंगे। नए अवसरों का निर्माण करेंगे। 140 देशवासियों के सामर्थ्य से आगे बढ़ते रहेंगे।हमें याद रखना है- परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है। जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है। और समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

प्रधानमंत्री ने देश के लोगों के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देते हुए बोला कि मोटापा हमारे देश के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में हर तीन में से एक व्यक्ति मोटापे से प्रभावित होगा। हमें खुद को मोटापे से बचाना होगा। इसलिए सभी को इसमें भाग लेना होगा और मैंने एक छोटा सा उपाय सुझाया था।परिवारों को यह तय करना चाहिए कि जब घर में खाना पकाने का तेल आए, तो वे 10% कम तेल का इस्तेमाल करेंगे। ऐसा करके हम मोटापे के खिलाफ लड़ाई जीतने में योगदान देंगे।

प्रधानमंत्री देश के धार्मिक त्यौहार को भी न भूले । उन्होंने कहा कल जन्माष्टमी, भगवान कृष्ण के काल से लेकर अब तक बदला युद्ध का स्वरूप । कल जन्माष्टमी का पावन पर्व है, भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव। जब मैं भगवान कृष्ण के बारे में सोचता हूं, तो मैं यह भी सोचता हूं कि आज दुनिया भर में युद्ध का स्वरूप कैसे बदल रहा है। भारत ने युद्ध के हर नए स्वरूप से निपटने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने तकनीक के मामले में अपनी ताकत दिखाई, जब पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों, एयरबेस, रक्षा प्रतिष्ठानों, आस्था के केंद्रों और नागरिकों को निशाना बनाया, उनकी मिसाइलों और ड्रोन को नियंत्रित तरीके से रोका गया। देश ने इसे देखा, और पिछले दस वर्षों के प्रयासों की बदौलत, हमारी सेनाओं और हमारी तकनीक ने बिना कोई बड़ा नुकसान पहुंचाए हर हमले को नाकाम कर दिया। भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेकर सुदर्शन चक्र की राह चुनी है। महाभारत की लड़ाई के दौरान श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से सूर्य के प्रकाश को रोक दिया था और दिन में अंधेरा दिया था। तब अर्जुन ने जयद्रथ का वध करने की शपथ पूरी हुई थी। अब देश सुदर्शन चक्र मिशन लॉन्च करेगा। यह मिशन एक पावरफुल सिस्टम होगा। यह दुश्मन के हमले नाकाम करने के साथ दुश्मन पर हिटबैक भी करेगा। हमें भारत के मिशन सुदर्शन के लिए मूलभूत बातें तय की हैं। ये पूरा आधुनिक सिस्टम, रिसर्च-डेवलमेंट देश में ही हो, देश के नागरिकों की तरफ से ही हों।सुदर्शन चक्र की ताकत थी, वो जहां जाना होता था, वहीं जाता था यानी प्रिसाइज था। इसके जरिए भी हम टारगेटेड तरीके से आगे बढ़ेंगे। मैं प्रतिबद्धता से इस आगे बढ़ने का वचन देता हूं।

विभाजन की विभीषिका–एक दर्द भरी दास्तान

-संजय सक्सेना

14 अगस्त 1946 की रात थी। आसमान में चाँद लहूलुहान सा लटका था, मानो वह भी उस धरती की त्रासदी का गवाह बनने से कतरा रहा हो। गाँव की गलियाँ, जो कभी हँसी-खुशी और बच्चों की किलकारियों से गूँजती थीं, अब चीखों, आग की लपटों और तलवारों की झनझनाहट से थर्रा रही थीं। भारत का बँटवारा अभी औपचारिक रूप से नहीं हुआ था, लेकिन नफरत की आग पहले ही भड़क चुकी थी। धर्म के नाम पर इंसानियत कुचली जा रही थी, और सामूहिक दर्द ने हर दिल को छलनी कर दिया था। यह कहानी उस रात की है, जब गाँव का हर घर, हर गली, और हर आत्मा उस हिंसा की चपेट में आ गई, जिसने न सिर्फ. शरीर, बल्कि आत्माओं को भी लहूलुहान कर दिया।

कमलपुर गाँव, जो कभी हिंदू, मुस्लिम और सिखों की साझा संस्कृति का प्रतीक था, अब एक युद्धक्षेत्र बन चुका था। गाँव के बीचों-बीच बनी मस्जिद और मंदिर, जो कभी एकता के प्रतीक थे, अब नफरत की दीवारों में कैद हो गए थे। दिन ढलते ही लोग अपने घरों में छिप गए, लेकिन छिपने से क्या होता? हिंसा का ज्वार किसी को नहीं बख्शता। पुरुषों को तलवारों और भालों से काटा जा रहा था, औरतों की इज्जत लुट रही थी, और बच्चे अपने माँ-बाप से बिछड़कर सड़कों पर भटक रहे थे। वह रात सिर्फ.एक तारीख नहीं थी; वह एक ऐसी त्रासदी थी, जिसने लाखों जिंदगियों को हमेशा के लिए बदल दिया।

गाँव के एक कोने में रहता था हरबंस सिंह का परिवार। हरबंस, उनकी पत्नी सावित्री, और उनकी सोलह साल की बेटी गुरप्रीत। हरबंस एक सिख किसान थे, जिन्होंने अपनी मेहनत से छोटा-सा घर बनाया था। उनका पड़ोसी, मजीद, एक मुस्लिम दर्जी, उनका सबसे अच्छा दोस्त था। दोनों परिवार वर्षों से एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ थे। मजीद की पत्नी बीबी फातिमा और सावित्री एक-दूसरे को बहन मानती थीं। लेकिन उस रात, दोस्ती और पड़ोस की ये सारी कहानियाँ नफरत की भेंट चढ़ गईं।

शाम होते ही गाँव में अफवाहें फैलने लगीं कि बाहर से आए कुछ उपद्रवी गाँव पर हमला करने वाले हैं। हरबंस ने अपनी पत्नी और बेटी को घर के पीछे बने गोदाम में छिपा दिया। ह्नकोई आवाज नहीं करना,ह्व उन्होंने गुरप्रीत के काँपते कंधों को थपथपाते हुए कहा। सावित्री ने अपनी बेटी को सीने से लगाया, लेकिन उसका दिल डर से धड़क रहा था। बाहर, गाँव जल रहा था। मकानों से धुआँ उठ रहा था, और औरतों की चीखें रात के सन्नाटे को चीर रही थीं।

उसी रात, मजीद के घर पर भी हमला हुआ। भीड़ ने दरवाजा तोड़ दिया और मजीद को बाहर घसीट लिया। उसकी पत्नी फातिमा चीखती रही, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था। मजीद ने अपनी जान की भीख माँगी, लेकिन नफरत की आँखें अंधी हो चुकी थीं। उसे तलवारों से काट दिया गया, और फातिमा को भीड़ ने घसीटकर बाहर निकाल लिया। उसकी चीखें गाँव के हर कोने में गूँज रही थीं, लेकिन कोई बचाने नहीं आया। उस रात, औरतों की इज्जत लुटना सिर्फ. एक अपराध नहीं था; वह उस हिंसा का हथियार बन चुका था, जिसका मकसद था डर फैलाना और समुदायों को तोड़ना।

हरबंस ने अपनी बेटी और पत्नी को बचाने की हर संभव कोशिश की। लेकिन भीड़ ने उनके घर को भी नहीं बख्शा। गोदाम का दरवाजा तोड़ा गया, और सावित्री की चीखें रात में गूँज उठीं। गुरप्रीत, जो अभी तक अपनी माँ की गोद में छिपी थी, को भी नहीं बख्शा गया। हरबंस ने विरोध किया, लेकिन उसे तलवारों और लाठियों से पीट-पीटकर मार डाला गया। उस रात, एक परिवार की पूरी दुनिया उजड़ गई। सावित्री और गुरप्रीत की जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। जो बच गए, उनके लिए जिंदगी अब सिर्फ. एक बोझ थी।

यह सिर्फ. हरबंस या मजीद के परिवार की कहानी नहीं थी। गाँव का हर घर, हर गली, और हर आत्मा उस रात की त्रासदी का शिकार बनी। हिंदू, मुस्लिम, सिखकृसब एक-दूसरे से डरने लगे। पड़ोसी, जो कभी एक-दूसरे के लिए जान देने को तैयार थे, अब एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू थे। धर्म के नाम पर इंसानियत मर रही थी। औरतों को निशाना बनाया जा रहा था, क्योंकि उनकी इज्जत लूटना सिर्फ.एक अपराध नहीं था; वह एक समुदाय को अपमानित करने का तरीका था। बच्चे, जो अभी दुनिया को समझ भी नहीं पाए थे, सड़कों पर बेसहारा भटक रहे थे। कुछ अपनी माँ को ढूँढ रहे थे, कुछ अपने पिता को, और कुछ सिर्फ.एक सुरक्षित कोने की तलाश में थे।

सावित्री, जो उस रात अपनी बेटी को नहीं बचा पाई, अब जीवित लाश बन चुकी थी। उसकी आँखों में वह दृश्य बार-बार उभरता था, जब उसकी बेटी की चीखें धीरे-धीरे थम गई थीं। वह खुद भी उस हिंसा का शिकार बनी थी, लेकिन उसका दर्द अपनी बेटी के दर्द के सामने कुछ भी नहीं था। गुरप्रीत अब बोलती नहीं थी। उसकी आँखें खाली थीं, जैसे उसकी आत्मा कहीं खो गई हो। सावित्री हर रात अपनी बेटी को सीने से लगाकर रोती थी, लेकिन कोई आँसू उस दर्द को कम नहीं कर सकता था। वह गाँव छोड़कर एक रिश्तेदार के गाँव चली गई, लेकिन वहाँ भी उसे चौन नहीं मिला। हर चेहरा उसे उस रात की याद दिलाता था।

कमलपुर गाँव अब सिर्फ. एक भूतिया गाँव था। जो लोग बच गए, वे या तो गाँव छोड़कर चले गए, या फिर अपने ही घरों में कैद हो गए। मस्जिद और मंदिर अब खाली थे। न कोई अजान गूँजती थी, न कोई शंख। गाँव की गलियाँ, जो कभी बच्चों की किलकारियों से भरी रहती थीं, अब सिर्फ. सन्नाटे का ठिकाना थीं। बँटवारे की यह आग सिर्फ.कमलपुर तक सीमित नहीं थी। पूरे देश में ऐसी अनगिनत कहानियाँ थीं, जिनमें लोग अपने ही भाइयों, पड़ोसियों, और दोस्तों से डरने लगे थे।

14 अगस्त 1946 की वह रात सिर्फ.एक तारीख नहीं थी। वह एक ऐसी त्रासदी थी, जिसने लाखों लोगों की जिंदगियों को हमेशा के लिए बदल दिया। यह सिर्फ. जमीन का बँटवारा नहीं था; यह दिलों, रिश्तों, और इंसानियत का बँटवारा था। उस रात की चीखें, आग की लपटें, और खून की नदियाँ आज भी उन लोगों की यादों में जिंदा हैं, जो उस त्रासदी से गुजरे। सावित्री और गुरप्रीत जैसी लाखों औरतों की जिंदगी उस रात हमेशा के लिए उजड़ गई। बच्चे अनाथ हो गए, परिवार बिखर गए, और एक देश, जो कभी एकता का प्रतीक था, नफरत की आग में जल उठा। यह कहानी सिर्फ. एक गाँव की नहीं, बल्कि उस सामूहिक दर्द की है, जो बँटवारे ने हर उस इंसान के दिल में छोड़ा, जो उस त्रासदी का गवाह बना। यह उन औरतों की कहानी है, जिनकी इज्जत लुट गई; उन बच्चों की, जो अपने माँ-बाप से बिछड़ गए; और उन पुरुषों की, जो अपनी आँखों के सामने अपनी दुनिया जलते देखकर भी कुछ न कर सके। यह कहानी उस इंसानियत की है, जो धर्म के नाम पर कुचल दी गई। और यह कहानी उस दर्द की है, जो आज भी उन लोगों के दिलों में जिंदा है, जो उस रात को भूल नहीं पाए।

स्वतन्त्रता दिवस भारत की ब्रिटिश शासन से मुक्ति का प्रतिक

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

भारत अपनी स्वतन्त्रता की 78 वीं वर्षगांठ बना रहा है। हम खुशनसीब है की आजाद हवाओं में सांस ले रहे है। एक समय था जब ब्रिटिश हुक्मरान भारत पर राज कर रहे थै, सिर्फ राज ही नहीं कर रहे थै भारतीयों का शोषण, दमन अत्याचार और अनाचार के चाबुक चला रहे थै। भारत गुलाम देश था, जिसपर अंग्रेज शासन कर रहे थै, हम भारतीय शोषित दमित और पीड़ित थै। अनवरत संघर्ष के परिणामस्वरूप 15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजी शासन की लम्बी गुलामी से मुक्त हुआ था। एक देश का ब्रिटिश शासन के अधीन बरसों तक गुलाम रहने और उससे मुक्ति के लिये संघर्ष करने की कहानी भारत के स्वतन्त्रता संग्राम की जीवंत कहानी है। भारत का अंग्रेजी शासन से आजादी प्राप्त करने का संघर्ष भारत का राष्ट्रीय आंदोलन कहलाता है। गुलामी से मुक्ति के आंदोलन में देश के लाखों राष्ट्रभक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। अंग्रेजी शासन का भारत की जनता के प्रति घृणास्पद रवैय्या था। भारत के लोगो को दोयम दर्जे का गुलाम समझने का ब्रितानी नजरिया उनके अत्याचार, शोषण और जुल्म की लम्बी फहरिस्त है। आजादी सैकड़ो बलिदानो के बाद हासिल हुई है।जिसकी महत्ता को समझना हर भारतीय नागरिक का परम दायित्व है। आज जब हम संविधान प्रदत्त स्वतन्त्रताओं या अधिकारों की बात करतें है, तब हमारे जहन में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये किये गए संघर्षो का ज्ञान भी होना चाहिए। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास जाने बगैर आजादी के महत्व को समझ पाना आसान नहीं होगा। ब्रिटिश शासन से भारत की मुक्ति की लड़ाई का यह राष्ट्रीय आंदोलन 1857 से शुरू हो गया था। इसे भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम भी कहा जाता है, जिसके राजनितिक, सामजिक, आर्थिक और धार्मिक कारण शामिल है, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की विस्तारवादी नीति के तहत राज्यों के विलय की नीति और भारतीय सहायक संधि भारतीय शासको में असंतोष का कारण बनी।ब्रिटिश शासन ने भारतीय अर्थ व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। भारतीय उद्योगो को नष्ट कर दिया गया, किसानों से अत्यधिक लगान वसुला गया। इससे किसानो की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गयी। अंग्रेजो द्वारा भारतीय संस्कृति और धर्म में हस्तक्षेप से नाराज चल रहे समाज को 1857 एनफील्ड राइफल के कारतुसों गाय और सूअर की चर्बी के इस्तेमाल की अफवाह ने विद्रोह को भड़का दिया। इन कारतुसों को मुंह से खोलना पड़ता था, जिससे हिन्दू और मुस्लिमों की भावनाओं को ठेस पहुंची। 1857 का विद्रोह एक सैनिक विद्रोह था। इस प्रथम राष्ट्रीय आंदोलन के शहीदों में मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर, नाना साहब, कुवंरसिंह आदि वीरों ने अपनी जान की बाजी लगाई। इस आंदोलन से अंग्रेजो के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी विद्रोह की भावना का निर्माण हुआ 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई जिसने स्वतन्त्रता आंदोलन को संगठित करने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस ने विभिन्न चरणों में स्वतन्त्रता के लिये संघर्ष किया, जिसमे नरमपंथी, उग्रवादी और गांधीवादी चरण शामिल थै। महात्मा गांधी के नैतृत्व में कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा, असहयोग और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे अहिंसक आंदोलन चलाए। राष्ट्रीय आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाओ ने जिसमे बंगाल विभाजन, जलियावाला बाग हत्याकांड जैसी घटनाओ ने स्वतन्त्रता सग्राम को गति प्रदान कर दी थी। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में सुभाष चंद्र बोस, भगत सिँह, सुखदेव, चंद्र शेखर आजाद राजगुरु जैसे क्रान्तिकारीयों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतन्त्रता संग्राम ने भारतीयों में राष्ट्रीय भावनाओं को मजबूत किया। भारत के हर प्रांत में राष्ट्रीय आंदोलन फैल गया अंग्रेजो भारत छोड़ो के नारों से हिंदुस्तान की गालिया गूंज उठी, विदेशी वस्तुओं और प्रतिको का बहिस्कार किया जाने लगा। भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजो की लम्बी दासता से मुक्ति मिली। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने दिल्ली के लाल किले पर भारतीय तिरंगा फहराया और भारत की आजादी की घोषणा कर दी। जब से प्रतिवर्ष भारत में 15 अगस्त को स्वतन्त्रता दिवस के रूप में मनाए जाने की परम्परा है। आजाद भारत में 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ। भारत के संविधान को लागू होने के इस दिवस को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन देश के राष्ट्रपति राजपथ अब कर्तव्य पथ पर आयोजित कार्यक्रम में ध्वज फहराते है। गणतंत्र दिवस जहाँ भारत की संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान के लागू होने का दिवस है, तो स्वतन्त्रता दिवस ब्रिटिश शासन से मुक्ति का प्रतिक है। आजादी लम्बे और कढ़े संघर्ष और सैकड़ो बलिदानों के उपरांत प्राप्त हुई है। इस आजादी को कायम रखना हर भारतीय का परम दायित्व है। इस हेतु राष्ट्र के प्रति प्रेम, निष्ठा और राष्ट्रीय प्रतिको के प्रति गौरव की भावना का होना बहुत जरुरी है। भारत को जब हम दुनियाँ का सरताज बनना देखना चाहते है, तब हम तय करें की एक अनुशासित भारतीय नागरिक होने की अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। मजबूत नागरिको से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण सम्भव है। राष्ट्रीयता से ओतप्रोत भारतीय धर्म, जाति, भाषा, प्रांत के बंधनों के ऊपर राष्ट्र प्रेम को रखता है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहदुर शास्त्री जिन्होंने जय जवान जय किसान का नारा दिया था। इससे आगे प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान को जोड़ा। इन नारों का आशय सीमा पर जवान, खेतो में किसान और देश में वैज्ञानिक अपने सामूहिक प्रयासों से राष्ट्र की तरक्की विकास में सहायक हो सकते है। इस नारे की भावना का वास्तविक अर्थ हर नागरिक का राष्ट्र के प्रति दायित्व को निभाने से है। शिक्षक अपने छात्र को जब एक अच्छा नागरिक बनाता है तब वह राष्ट्र निर्माण में सहायता दे रहा होता है, एक इंजिनियर अपने निर्माण से शासकीय सेवक अपने निष्ठापूर्वक किये कार्यों से एक आमनागरिक राष्ट्रीय नेताओं, प्रतिको का सम्मान कर, राष्ट्रीय सम्पत्ति की रक्षा कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकता है। राष्ट्रप्रेम से परिपूर्ण समाज राष्ट्र के विकास की इबारत लिख रहा होता है। हिन्द के सपनो को चरितार्थ करता हुआ समाज स्वतन्त्रता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार के नारो को चरितार्थ करता समाज भारत निर्माण को गति दे रहा होता है।

राष्ट्रीय समाज पार्टी मीरा-भायंदर शहर जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा अंतर्गत पार्टी के अध्यक्ष महादेव जानकर ने किया, कार्यालय का उद्घाटन। यह कार्यक्रम को राष्ट्रीय समाज पार्टी के अध्यक्ष, तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री माननीय महादेव जानकर के कर कमलों द्वारा, किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय समाज पार्टी मीरा-भायंदर शहर जिला अध्यक्ष संजय जी. मकवाना और युवा शहर जिला अध्यक्ष शब्बीर अली खान, के साथ-साथ सामाजिक संस्था हैंड्स ऑफ होप फाउंडेशन का जिला स्तरीय कार्यालय काशीमीरा, ढाचकुल पाड़ा, साईं पैलेस होटल रोड स्थित उद्घाटन किया गया। महादेव जानकर के साथ महाराष्ट्र सचिव जीवाजी लेंगरे, पालघर जिला अध्यक्ष रामदरश पाल, माननीय नगरसेवक म्हात्रे, मुंबई सचिव इकबाल अंसारी, रामधारी पाल, संगठन सचिव अस्मिता कदम, कार्यपालक पदाधिकारी इस्तियाक,और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में जानकर ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि संभव हुआ तो हम अकेले चुनाव लड़ने की भूमिका में हैं। हमें आगामी नगर निगम चुनाव में मीरा-भायंदर शहर में कम से कम 20 सीटें जीतने की उम्मीद है। संजय मकवाना और शब्बीर खान ने मीरा-भायंदर शहर और यहाँ के नागरिकों के लिए काम किया है। और वे ऐसा करते रहेंगे और पार्टी को मजबूत करते रहेंगे। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ,मैं दोनों को उनके सफर के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

हर्षोल्लाश से मनाया गया भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव का जन्मदिन

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी। भाजपा भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष मंगेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर मानसरोवर स्थित उनके आवासीय बिल्डिंग के पास जन्मदिन की शुभकामनाएँ देने के लिए उनके शुभचिंतकों की लंबी कतार देखने को मिली है । बतादें कि मंगेश यादव भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष के साथ सामाजिक संस्था जन कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक/अध्यक्ष भी हैं । मंगेश यादव जन कल्याण ट्रस्ट के माध्यम से जरुरत मंद छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिये शिक्षा सत्र शुरू होते ही लेखन सामग्री व नोटबुक वितरण का कार्य अनवरत करते रहते हैं । राजनीति व समाजसेवा के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले मंगेश यादव के शुभचिंतकों ने आने वाले मनपा चुनाव में नगरसेवक बनने का आशीर्वाद देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना किये । शुभकामनाएँ देने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत , भिवंडी पश्चिम विधानसभा विधायक महेश चौगुले, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल , ओबीसी विभाग अध्यक्ष विठोबा नाईक, पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी, श्याम अग्रवाल , भाजपा प्रचार प्रमुख पी डी यादव , राकेश पाल, संतोष सोनी, कमलेश यादव, डा. बृजेश यादव, मनोज यादव, अनिल सिंह, मनोज सिंह, विजय प्रताप यादव, संजय दुबे, विनोद मौर्या, मुकेश चौबे, कृष्णा हलवाई, संतलाल यादव आदि गणमान्य लोगों के साथ भारी संख्या में महिला/पुरुष उपस्थित थे ।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय पर किया गया ध्वजारोहण

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिला के बोईसर उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय, चित्रालय (बोईसर) पर 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोईसर के उप विभागीय पुलिस अधिकारी विकास नाईक ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों के साथ मिलकर विधिवत सलामी दी।इस दौरान बोईसर के थाना प्रभारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार, सहायक पुलिस निरीक्षक सतीश अस्वर, सहाय्यक पुलिस निरीक्षक राठोड,पुलिस उप निरीक्षक कमलाकर मुंढे, महिला पुलिस उप निरीक्षक मेहेर मैडम, पुलिस उपनिरीक्षक आबा गावित, सुरेश कोकाटे,पुलिस उपनिरीक्षक शिवराम म्हसकर,सुरेश दुसाने , सहायक पुलिस उप निरीक्षक जागृति पाटिल , हेड कांस्टेबल जयेश केणी ,शुभांगी नौकुड़कर तथा देविदास भिसे , चंद्रकांत केद्रे, गणेश केंगार, बोईसर-पालघर पत्रकार संघ(रजि.)के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, पत्रकार संगीता शाह,सामाजिक कार्यकर्ता रामनरेश यादव, सुनीता सकपाल आदि उपस्थित थे।सभी ने एक दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

स्वतंत्रता दिवस पर बोईसर के पुलिस थाना प्रभारी शिरीष पवार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

पालघर(उत्तरशक्ति)। देश की स्वतंत्रता की 78 वी वर्षगाँठ के अवसर पर पालघर जिला के बोईसर पुलिस स्टेशन मेव थाना प्रभारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार ने 15 अगस्त को सुबह 7 बजे राष्ट्रीय ध्वज फराया और सहायक पुलिस निरीक्षक केशव राठोड व सतिष अस्वर, पुलिस उपनिरीक्षक कमलाकर मुंढे, पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र पाटील, श्री.मेहेर,नितीन नरले, विनय मोरे व कमरुद्दीन शेख सहित अन्य पुलिसकर्मियो के साथ मिलकर राष्ट्रीय ध्वज को विधिवत सलामी दी।

79 वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के हाथों हुआ संपन्न

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में गत 15 अगस्त 2025 को भारत के 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर मनपा आयुक्त एवं (आई,पी, एस,) प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) के तत्वावधान में मनपा मुख्यालय परिसर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम, काशीमीरा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारोही प्रतिमा और फाटक रोड स्थित भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात, माननीय आयुक्त महोदय ने मनपा मुख्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा और स्वतंत्रता सेनानी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

मीरा-भायंदर नगर निगम मुख्यालय में माननीय आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा (भा.पु.से.) ने ध्वजारोहण किया और मीरा-भायंदर शहर के नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। नगर निगम कर्मचारियों ने देशभक्ति के गीत गाए और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। माननीय आयुक्त ने शहीद मेजर कौस्तुभ राणे के पिता प्रकाश राणे और स्वतंत्रता सेनानी मुरलीधर होल्कर का सम्मान

किया। इसके बाद, उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने तिरंगा प्रतिज्ञा ली।

अपने संबोधन में माननीय आयुक्त ने कहा कि मीरा-भायंदर शहर की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने में सभी नागरिकों को सहयोग करना चाहिए; ताकि हम सभी स्वच्छता में प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार बरकरार रखने में सफल हों।

इस समारोह के अवसर पर अपर आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त डॉ. सचिन बांगर, उपायुक्त (मुख्यालय) कल्पिता पिंपले, उपायुक्त श्रीमती कविता बोरकर, शहर अभियंता दीपक खाम्बित, मनपा सचिव वासुदेव शिरवलकर, कार्यकारी अभियंता (पी.पी. एवं एम.एल.) शरद नानेगांवकर, सहायक निदेशक नगर नियोजन पुरुषोत्तम शाडे, सिस्टम मैनेजर तथा सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राजकुमार घरत के साथ-साथ मनपा विभाग प्रमुख, अधिकारी व कर्मचारी, अग्निशमनकर्मी, महाराष्ट्र सुरक्षा रक्षक बल के जवान, स्कूली शिक्षक और स्कूली छात्र, पत्रकार और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्वक मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

पालघर (उत्तरशक्ति)। देशभक्ति और उत्साह के माहौल में आज जिला परिषद पालघर में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी देने से हुई। राष्ट्रध्वज के सम्मान में सभी उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी और नागरिकों ने एक साथ राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत गाकर देश के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.) इजाज अहमद शरिक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) आर.एच. पाटिल सहित जिला परिषद के सभी विभाग प्रमुख, अधिकारी एवं

कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए देश की आजादी और राष्ट्रनिर्माण में सभी के योगदान को याद करने का आह्वान किया।

भिवंडी में तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों ने शामिल होकर मनाया स्वतंत्रता दिवस

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर जहां पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है वहीं भारतीय जनता पार्टी के शहर अध्यक्ष रवि सावंत और विधायक महेश चौघुले की पहल पर भिवंडी शहर में पहली बार एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। बतादें कि इस तिरंगा यात्रा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल, ठाणे जिला ग्रामीण अध्यक्ष जितेंद्र डाकी की उपस्थिति में आयोजित इस तिरंगा रैली का उद्घाटन शहर के सबसे पुराने काप अली स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज व्यायाम शाला के गोविंदा दस्ते ने पांच-स्तरीय मीनार से बने तिरंगे को सलामी के साथ किया। इसके बाद एनसीसी और दाऊदी बोहरा समुदाय के बैंड दस्ते ने तिरंगा रैली का उद्घाटन किया। इस तिरंगा रैली में शहर के कई स्कूलों और कालेजों के छात्र तिरंगी साड़ियां पहने महिलाएं और पारंपरिक वेशभूषा में हजारों की संख्या में नागरिक शामिल हुए। पूर्व सैनिक भी रैली का विशेष आकर्षण रहे। तिरंगा रैली जैसे ही कोटर गेट पहुँची मुस्लिम समुदाय ने रैली पर पुष्प वर्षा की। रैली छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर समाप्त हुई।

आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश मोदी के साथ है इसलिए आज सभी समुदाय तिरंगा रैली में भाग ले रहे हैं: रवींद्र चव्हाण

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है जिनका सपना देश को 1947 जैसा पर्यटन-विकासशील राष्ट्र बनाने का है। इसीलिए भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि भिवंडी विधायक महेश चौघुले और शहर अध्यक्ष रवि सावंत द्वारा आयोजित तिरंगा रैली में सभी धार्मिक समुदायों ने भाग लिया है। रविन्द्र चव्हाण तिरंगा रैली के समापन अवसर पर मीडिया से बात कर रहे थे। देश में प्रधानमंत्री मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन कल्याणकारी कार्यों के कारण देश और राज्य प्रगति कर रहा है। चव्हाण ने अंत में कहा कि यह तिरंगा रैली इसलिए सफल हो रही है क्योंकि देश के नागरिकों को पहलगाम हमले के बाद सिंदूर आपरेशन के माध्यम से देश की सुरक्षा को लेकर लिए गए फैसले पर भरोसा है।

अलहिंद एकता फाउंडेशन ने मनाया 79 वां स्वतंत्रता दिवस

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिला की सामाजिक संस्था अलहिंद एकता फाउंडेशन,बोईसर के तत्वावधान में 79वां स्वतंत्रता दिवस अवधनगर,बोईसर मे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथी सरावली ग्राम पंचायत के सदस्य वसीम चौधरी तथा जावेद खान ने द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एड.एस.एस.त्रिपाठी, गुलाब जैन,बोईसर - पालघर पत्रकार संघ (रजि.)के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी,दीपक निराला,अजीत सिंह एवं मृत्युंजय पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्वों में मौलाना जिया-

उल-हक, अत्तर अली मनियार, सैयद भाई, आलम अंसारी, गंगाराम नायक, गणेश जयसवाल, मौलाना इरशाद, जावेद खान , सद्दाम शाह,सिंह सर एवं पांडेय सर शामिल थे।

समारोह के दौरान देशभक्ति गीत, भाषण और सामाजिक एकता का संदेश देने वाले कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अंत में फाउंडेशन के अध्यक्ष इकरार अहमद सिद्दीकी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन किया गया। अंत मे वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी का जन्मदिन केक काटकर मनाया और पत्रकार द्विवेदी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

ऑनलाइन सेवाओं का उद्घाटन, आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा द्वारा किया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में गत 15 अगस्त 2025 को, स्वतंत्र मीरा-भायंदर महानगरपालिका के मुख्यालय में माननीय आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा (भा.पु.से.) द्वारा ऑनलाइन सेवाओं का उद्घाटन किया गया। मीरा-भायंदर महानगरपालिका प्रशासन शहर के नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं को ऑनलाइन बनाने के लिए तकनीक का उपयोग कर रहा है ताकि ये सेवाएँ जनता को उपलब्ध हो सकें। इसी कड़ी में, अब सार्वजनिक निर्माण कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ और अनुमतियाँ वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी। साथ ही, सार्वजनिक उत्सवों की पृष्ठभूमि में, सार्वजनिक निकाय इस वेबसाइट पर मंडप अनुमति के लिए आवेदन कर सकेंगे और मंडप अनुमति प्राप्त कर सकेंगे।

लोक निर्माण विभाग की ओर से ऑनलाइन जारी की जाने वाली कानूनी सेवाएं एवं परमिट -

1. वारिकाओं के कार्य के पूर्ण होने का प्रमाण पत्र।

2. कार्यों का मात्रावार विवरण।
3. भूमिगत दूरसंचार केबल (ऑप्टिकल फाइबर केबल) बिछाने की अनुमति प्रदान करना।
4. तूफानी जल निकासी हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की अनुमति।
5. निजी संस्थाओं द्वारा नालियों एवं फुटपाथों पर स्लैब बिछाने हेतु अनुमति एवं डिजाइन प्रदान करना/निजी संस्थाओं को अपने व्यय पर नालियों, नालियों, सड़कों के निर्माण की अनुमति देना।
6. किसी सार्वजनिक स्थान से होकर गुजरने वाली सड़क।
7. गटर कवर को अच्छी स्थिति में रखना।
8. सड़क खुदाई के लिए अनुमति प्रदान करना।
9. सड़क पर गड्ढे भरना।
10. सार्वजनिक उत्सवों के लिए सार्वजनिक समूहों हेतु मंडप की अनुमति।

उपरोक्त सेवाएँ और परमिट शहर के नागरिकों को घर बैठे उपलब्ध होंगे। हालांकि, मीरा-भायंदर महानगरपालिका प्रशासन शहर के अधिक से अधिक नागरिकों से इसका लाभ उठाने की अपील कर रहा है।

भिवंडी महानगरपालिका द्वारा हर्षोल्लाश के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भिवंडी मनपा में प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के हाथों ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, उपायुक्त (मुख्यालय) विक्रम दराडे, उपायुक्त (कर) बालकृष्ण क्षीरसागर, शहर अभियंता जमीर पटेल, मुख्य लेखा परीक्षक मयूर हिंगाणे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी रामप्रसाद सालुंखे, सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, नितिन पाटिल, अजीत महाडिक, सभी प्रभाग अधिकारी और कर्मचारी महानगरपालिका के मुख्य

प्रशासनिक भवन परिसर में उपस्थित थे। इस अवसर पर आयुक्त अनमोल सागर ने सभी के साथ संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हुए तिरंगा शपथ, हरित शपथ और तंबाकू मुक्त भारत शपथ ली। इस अवसर पर आयुक्त ने लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना संदेश दिया। वहीं प्रशासनिक भवन में डा. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण प्रतिमा, डा. बाबासाहेब आंबेडकर की अर्ध प्रतिमा पर गणमान्य लोगों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। मनपा मुख्यालय में विभाजन स्मृति दिवस की प्रदर्शनी और बचत गट की महिलाओं द्वारा बनाई गई रंगोली प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया। साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मनपा मुख्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नगर निगम कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही स्वतंत्रता दिवस पर मनपा और रोटरी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के दही हांडी उत्सव में उमड़ी भीड़

डोंबिवली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण बाजी प्रभु चौक पर दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदू संस्कृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महागठबंधन सरकार महाराष्ट्र को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था की ओर ले जा रही है। चव्हाण ने संदेश दिया कि युवा ही बदलाव का मुख्य आधार हैं और महाराष्ट्र के निमार्ता बनने के लिए उनकी भागीदारी बेहद जरूरी है। बताया गया कि दो सौ से ज्यादा गोविंदाओं की टोलियाँ दिन भर भारत माता की जय के नारे लगाते हुए सलामी देंगी। सुबह से ही इस उत्सव में युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। गोपालकला का यह उत्सव, उत्साह, परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है ! उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण की लीलाओं की याद दिलाने वाला यह उत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। हर

वर्ष की तरह इस वर्ष भी डोंबिवली के बाजीप्रभु चौक पर दही हांडी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। हिंदू संस्कृति और देशभक्ति के संगम को मनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस उत्सव का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया जाता है। यही कारण है कि यह दही हांडी उत्सव डोंबिवली की सांस्कृतिक परंपरा का एक अभिन्न अंग बन गया है। यही कारण है कि इस दही हांडी उत्सव को एक नई पहचान मिली है और यह 'डोंबिवली का सम्मान बिंदु' बनकर उभरा है। इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री शशिकांत कांबले, कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब, भाजपा ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संजय वाघुले, डोंबिवली ग्रामीण मंडल महिला अध्यक्ष मनीषाताई राणे, भाजपा डोंबिवली पूर्व मंडल अध्यक्ष मितेश पेनकर, डोंबिवली पश्चिम मंडल महिला अध्यक्ष प्रिया जोशी, भाजपा डोंबिवली पश्चिम मंडल अध्यक्ष पवन पाटिल आदि उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

संघर्ष और साहस की अमर गाथा है स्वतंत्रता दिवस: प्रो.वंदना सिंह

विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ध्वजारोहण, सुरक्षाबलों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने सरस्वती सदन में ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर तिरंगे के रंग में रंगा रहा। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सबके लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का दिन है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि हमारी आजादी, आत्मबलिदान, संघर्ष और साहस की अमर गाथा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए आत्ममंथन का भी दिन है। आज हमें यह विचार करना होगा कि जिस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया, उसके लिए हम अपनी क्या भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आपको विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का अवसर मिला है। यह अवसर बार- बार नहीं मिलता है, इसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनाइए। अपने माता-पिता के सपनों को साकार कीजिए। हमारा संकल्प है कि हम आपको उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण प्रदान करेंगे।कुलपति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये। संचालन कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने किया। सरस्वती सदन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह का संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया।इस अवसर पर इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो.अविनाश डी. पाथर्डीकर, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. राज कुमार, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. गिरधर मिश्र. प्रो मिथिलेश सिंह, डा.रसिकेश, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पांडेय, उप कुलसचिव अमृत लाल, अजीत सिंह, बबिता सिंह, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, सुशील प्रजापतिसमेत समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष शिक्षक, कर्मचारी और छात्र मौजूद थे।

जेड.एफ.एम. फाउंडेशन ने बड़े धूमधाम से मनाया गया 79वाँ स्वतंत्रता दिवस

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी

फूलपुर ,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। 79वाँ स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जेड एफ एम फाउंडेशन के मुख्यालय पर संस्थापक जिशान अहमद खान के दिशा निर्देशन में ध्वजारोहण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं निःशुल्क सिलाई, कढ़ाई व मेहंदी डिजाइन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन फूलपुर, आजमगढ़ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सच्चिदानंद यादव व फाउंडेशन की अध्यक्षा फिरदौस जहाँ खानम के द्वारा किया गया। इस अवसर पर एस आई प्रियंका तिवारी,जेड एफ एम संगठन के प्रभारी रफीक फूलपुरी, जेड एफ एम टाइम्स के संपादक मनोज गुप्ता, समस्त सम्मानित सभासदगण नगर पंचायत फूलपुर, डॉ.राशिद सुफियान अहमद, आरिफ आजम, सुरजन कुमार, जावेद अख्तर, डॉक्टर नाजिया, सरस्वती विश्वकर्मा, सोनम कुमारी, हिसामुद्दीन, अब्दुल रहीम उर्फ जोखू, राहुल, मदनलाल, सूरज भारती, महेंद्र, राहुल कुमार, आंचल, डॉक्टर गौतम, सुहेल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

नेयाज नेशनल स्कूल में धूमधाम से मना आजादी का पर्व

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज अंतर्गत मानीकलां में नेयाज नेशनल स्कूल में 79स्वतंत्रता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया।

ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया। जंग-ए-आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दी गई कुर्बानियों को याद किया गया नेयाज नेशनल स्कूल फाउंडर मैनेजर शफीक अहमद ने अमन एकता इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया। गयासुद्दीन पूर्व प्रधान बरंगी द्वारा ध्वजारोहण किया गया।प्रधानाचार्य अंकित पाल ने कहा कि 15 अगस्त भारतीय इतिहास का बहुत यादगार दिन हैउन्होंने कहा कि देश को बड़ी मेहनत और कुबार्नी के बाद यह आजादी हासिल हुई है, इसलिए इस आजादी की हमें कद्र करनी चाहिए। हमारे बुजुर्गों ने इस देश को आजाद कराने में बड़ी कुर्बानियां दी जिसे हर किसी को धूमधाम के साथ मनाना चाहिए। अध्यापक अजय सिन्हा ने कहा कि अंग्रेजों ने इस देश में बड़ा जुल्म किया।लेकिन हमारे बुजुर्गों ने कभी उस जुल्म को बर्दाश्त नहीं किया और उसके सामने सीना तानकर खड़े हो गए, इसलिए यह याद रखा जाना चाहिए कि जुल्म कभी बाकी नहीं रहता और हमेशा हक और इंसाफ की ही जीत होती है।बच्चों ने भी तरह-तरह की कलाएं दिखाई गांव के सम्मानित लोगों ने खूब बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया लोगों ने नेयाज नेशनल स्कूल के अध्यापकों को धन्यवाद भी दिया। इस पर्व के मौके पर मौजूद रहे। फाउंडर मैनेजर शफीक अहमद, प्रिंसिपल अंकित पाल, अध्यापक चंद्र प्रकाश मौर्या, आशीष यादव, अजय सिन्हा, मोहम्मद आसिम, बाकिर खान, अखिलेश कुमार एवं ग्राम सभा की सम्मानित जनता गयासुद्दीन (पूर्व प्रधान बरंगी) इल्यास अहमद, शहाबुद्दीन, (मन्नू खान) अशोक कुमार, अबुसहमा, शमशेर अहमद,शाकिब लखमापुरी, अधिक संख्या में ग्रामीण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिले में विभिन्न संस्थाओं, संगठनों द्वारा हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले भर में विभिन्न संस्थाओं संगठन और स्कूलों व समाज सेवियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ संपन्न हुआ इस मौके पर शहर में एक अलग ही रौनक देखने को मिली शाम के समय सद्भावना पुल लोगों से गुलजार दिखा और हर कोई देश के रंग में रंगा हुआ दिखाई दिया। इसी क्रम में शहर के अहमद खान मंडी में सम्राट अशोक क्लब भारत के तत्वाधान में झंडा रोहण वहीं समाजसेवी रियाज उल हक के हाथों किया गया इस मौके पर मोहल्ले विच्छेद के लोगों के बीच मिष्ठान वित्त किया गया वहीं राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के मुख्यालय पर जिला अध्यक्ष संजय सिंह के हाथों झंडा रोहण हुआ इस मौके पर तामीर हसन शिबू, मनीष श्रीवास्तव सुनील सिंह, काजू, शशि मौर्य रियाजुलहक, अल्ताफ आदि मौजूद रहे।राजमहल में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर गहना कोठी फर्म के अधिष्ठाता एवं समाजसेवी विनीत सेठ द्वारा ध्वजारोहण कर धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विनीत सेठ द्वारा शहीदों व स्वतंत्रता सेनानी को याद किया गया। समारोह में शहर के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। आए हुए सभी आगंतुओ का स्वागत विनीत सेठ, विशाल सेठ व विपिन सेठ ने किया। इस अवसर पर हर्षित सेठ, आयुष सेठ, उज्जवल सेठ, हरि सेठ ओम सेठ व समस्त गहना कोठी परिवार उपस्थित रहा।वही रूहट्टा स्थित पार्थ ग्लोबल एकेडमी में झंडा रोहण संस्थापक सतेंद्र प्रताप सिंह के हाथों हुआ। वही धार्मिक और सामाजिक संस्था शीतलाजी महारानी पुरोहित ट्रस्ट के अध्यक्ष विद्याधर त्रिपाठी मुन्नू ने विद्यालय में झंडा रोहण किया।

पूर्व मध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज अंतर्गत मानीकलां में पूर्व मध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने बढ़ चढ़कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान स्कूलों में ध्वजारोहण हुआ और छात्रों ने बढ़ चढ़कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय मानीकलां में स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालय में ध्वजारोहण एवं विशेष प्रार्थना सभा हुई। प्रधानाध्याप भोलानाथ चौहान ने विद्यार्थियों को देशभक्ति के संबंध में बताया। उन्होंने देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर स्कूल के समस्त स्टॉफ का सहयोग रहा। जिसमें सहायक अध्यापक घनश्याम मिश्र, विकाश कुमार यादव, सूरज देव मिश्रा, सीता आदि छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में राज्यमंत्री ने किया ध्वजारोहण

राज्यमंत्री ने जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस की दी शुभकामनाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव ने ध्वजारोहण किया और राष्ट्रीय तिरंगा को सलामी दी।इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों, जवानों को सम्मानित भी किया। राज्य मंत्री ने समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है लंबे अंतराल के संघर्ष तथा वीर शहीदों के बलिदान के पश्चात हमें यह आजादी मिली है। स्वतंत्रता दिलाने के लिए महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में जिन वीर सपूतों ने आजादी की लड़ाई लड़ी तथा देश को आजाद कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन सभी वीर सपूतों को नमन करता हूँ। आज हमें गर्व की अनुभूति हो रही है कि आज हमारा देश विकसित तथा आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है तथा वैश्विक मंचों पर देश की एक अलग पहचान बनी है। पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय हाल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का राज्यमंत्री, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ सहित अन्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। जिसमें कुसुमलता सोनकर, राहुल पाठक, दीपक देव पाठक, प्रद्युम्न एंड टीम, विवेक मिश्रा वरदान सहित अन्य कलाकारों ने मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया, जिन्हें राज्यमंत्री ने अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ,बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य उपस्थित रहे।इसी क्रम में कलेक्ट्रेट स्थित विकास भवन, समस्त तहसीलों, विकास खण्डों, नगर पंचायतों,ब्लॉकों में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया।

आजमगढ़ के युवा डॉक्टर मोहम्मद जीशान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

ऑल इंडिया मुस्लिम डेवलपमेंट काउंसिल ने 40 वर्ष से कम आयु के 40 होनहार युवाओं का किया चयन, ज़िले में खुशी की लहर

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के ज़िले आजमगढ़ के एक छोटे से गाँव खुटहना संजरपुर से ताल्लुक रखने वाले प्रतिभाशाली युवा डॉ. मोहम्मद जीशान ने एक बार फिर अपने क्षेत्र और समुदाय का नाम रोशन कर दिया है। ऑल इंडिया मुस्लिम डेवलपमेंट काउंसिल ने देशभर से चुने गए 40 साल से कम उम्र के 40 उत्कृष्ट युवाओं की सूची में डॉ. जीशान को शामिल किया है, जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सेवा और योगदान के आधार पर सम्मानित किया गया।

इस चयन प्रक्रिया में देशभर से हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें कड़ा प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यांकन हुआ। यह प्रतियोगिता 28 जून से 2 जुलाई 2025 के बीच कर्नाटक के बंगलुरु शहर में आयोजित हुई, जहां शैक्षणिक, सामाजिक, नेतृत्वात्मक और व्यावहारिक सेवाओं के कई स्तरों पर जांच-पड़ताल की गई। अंततः केवल 40 युवाओं को इस गौरवपूर्ण सूची में स्थान मिला, जिन्हें देश और मुस्लिम समाज के भविष्य निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चिन्हित किया गया है। खास बात यह है कि डॉ. मोहम्मद जीशान पूर्वी उत्तर प्रदेश से इस सूची में शामिल होने वाले इकलौते प्रतिभागी हैं। उनकी सेवाएं विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अत्यंत सराहनीय रही हैं। वे वर्षों से आजमगढ़ के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और सामाजिक जागरूकता की मुहिम चला रहे हैं। उनके द्वारा स्थापित अल-फारूक पब्लिक स्कूल के माध्यम से सैकड़ों बच्चों की ज़िंदगियाँ संवारी गई हैं और उन्हें बेहतर भविष्य की दिशा दिखाई गई है। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

इस सम्मान की खबर से स्थानीय लोगों और शैक्षिक व सामाजिक हलकों में खुशी की लहर दौड़ गई है, और हर ओर से डॉ. जीशान को मुबारकबाद और शुभकामनाएं मिल रही हैं। यह उपलब्धि उन तमाम युवाओं के लिए एक प्रेरणा है जो छोटे गाँवों से हैं लेकिन बड़े सपने रखते हैं – कि अगर इरादे नेक हों और मेहनत सच्ची हो, तो मिट्टी से भी चिराग जल उठते हैं जो पूरी दुनिया को रौशन कर सकते हैं। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला डॉक्टर जीशान को और अधिक बुलंदियों से नवाजे और उन्हें देश, समाज और उम्मत की सेवा की और बड़ी ताकत और तौफीक अता करे।

मदरसा कुरानिया में मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

जौनपुर में तिरंगा रैली निकाली, स्वतंत्रता सेनानियों की कुबार्नी को किया याद

मोहम्मद आसिफ सिद्दीकी

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां स्थित मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद में जुमे के दिन 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए गए। तिरंगा यात्रा कस्बा मानी कलाँ मदरसा से होते हुए ।पुरानी बाजार के रास्ते से पुराने यूनियन बैंक तक वहाँ से होते हुए नसीराबाद चौक तक, चौक से अमीनाबाद (एजेन्सी चौराहा)तक वहाँ से मलियाना होते हुए।मदरसे पर समाप्त हुआ। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को याद किया गया। मदरसा के अध्यापकों ने अमन, एकता और भाईचारे का संदेश दिया। मौलाना मोहम्मद अमजद कासमी ने कहा कि देश को यह आजादी बड़ी मेहनत और बड़ी कुबार्नी के बाद मिली है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया। मौलाना ने बताया कि अंग्रेजों के जुल्म के सामने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने कभी सर नहीं झुकाया। उन्होंने कहा कि हक और इंसाफ की हमेशा जीत होती है। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में तुलबा व कस्बा के सम्मानित लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाफिज रियाज अहमद खान बड़ी जमा मस्जिद जर्नल सिकरेट्री, मौलाना मोहम्मद असहद खान, हाफिज मोहम्मद अखलद, समस्त ग्रामवासियों ने मदरसा के अध्यापकों का धन्यवाद किया। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी ने बड़े धूमधाम से मनाया 79वाँ स्वतंत्रता दिवस

डॉ.सुनील कुमार मिश्रा

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। शिवापार्क वार्ड 5 के सम्मानित वार्ड सदस्य सोनू साह के कर कमलों द्वारा अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी के तत्वधान में स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष विनोद अग्रवाल तथा नगर अध्यक्ष रमाशंकर केसरी के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को कार्यालय फहराया गया। जिला अध्यक्ष अग्रवाल एवं नगर अध्यक्ष रमाशंकर केसरी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर प्रकाश डालते हुए।तिरंगे की आन बान शान की रक्षा व देश की एकता अखंडता को बनाए रखने के लिए संकल्प लिया। समारोह में अनुज अग्रवाल, विजय गुप्ता, बबलू प्रसाद गुप्ता,दिनेश गुप्ता, विष्णु गुप्ता,प्रभात मोहन गुप्ता, आदि लोगों ने विचार व्यक्त किया पत्रकार अजय जौहरी, मनी शंकर सिन्हा, मस्तराम मिश्रा, शिव नरेश, नूर हसन रामकुमार गुप्ता अशोक सिंह गोविंद गुप्ता ने भाग लिया कार्यक्रम को सफल बनाने में सभासद सोनू शाह ने अहम भूमिका निभाई मिष्ठान वितरण के बाद कार्यक्रम को समापन किया गया।

अब्बास का नारा है, दरिया ये हमारा है

गमगीन माहौल में मनाया जा रहा है ।शहीदाने कर्बला का चेहलुम कहीं सुपुर्द-ए-खाक तो कहीं सुपुर्द-ए-आब किये गये ताजिये

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कर्बला के शहीदों का चेहलुम जिले में शुक्रवार को गमगीन माहौल में अकीदत के साथ मनाया गया। इस मौके पर जगह-जगह मजलिसें आयोजित हुई। जिसके बाद इमाम चौकों पर रखे गये ताजिये,शबीहे तुर्बत, अलम, जुलजनाह के साथ जुलूस करबला पहुंचा जहां गंजे शहीदा में ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। नगर में मुफ्ती मोहल्ला मौला अली घाट और मोहल्ला कटघरा, बख्शा के रन्नो गांव में परम्परा के अनुसार ताजिये का जुलूस निकालकर नौहा मातम करती हुई अंजुमनों ने तुरबत व ताजियों को सुपुर्द-ए-आब किया। नगर के मुफ्ती मोहल्ला में गोमती नदी के मौला अली घाट पर जबकि रन्नो में करबला के तालाब पर ताजियों को सुपुर्द-ए-आब किया गया। नगर के मुफ्ती मोहल्ला का जुलूस गोमती नदी के मौला अली घाट पर स्थित इमाम बारगाह से अंजुमन सज्जादिया के नेतृत्व में जुलस निकाला गया। इसके पूर्व मौलाना महफुजुल हसन खां ने मजलिस को खेताब करते हुए कहा कि कर्बला में हजरत इमाम हुसैन व उनके 71 साथियों की शहादत के बाद यजीदी हुकूमत ने उनके परिवार पर जुल्म ढाये यहां तक की महिलाओं को कैदी बनाकर बेपर्दा मदीना व कूफे की गलियों में घुमाया गया। सबसे पहले इमाम हुसैन की बहन जनाबे जैनब ने अपने भाई का चेहलुम मनाया आज हम सब मिलकर दरिया के किनारे उनके चेहलुम मना रहे है। इसके बाद जुलजुनाह, अलम व ताबूत निकाला गया। मौलाना हुसैन अकबर रईस ने अमारियों का ताअर्रुफ कराया। जिसके बाद ताजिये के साथ अमारियां बरामद हुई। जिसके हमराह नगर की सभी अंजुमनें नौहा मातम करती हुई गोमती नदी के अली घाट तट पर पहुंची जहा डॉ कमर अब्बास ने तकरीर किया जिसके बाद अलम व तुर्बत को मिलाया गया। सुरक्षा के लिए पुलिस दल बल के साथ सीओ सिटी देवेश कुमार, शहर कोतवाल मिथिलेश मिश्रा, पुरानी बाजार चौकी प्रभारी गोविंद मौर्य व जल व महिला पुलिस मौजूद थी। जुलूस के संयोजक अंजुमन के अध्यक्ष मीसम खान व महासचिव हसन जाहिद खां बाबू ने लोगों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। कमेटी ने डॉ.रामसूरत मौर्या नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के प्रतिनिधि व व्यापार मंडल अध्यक्ष इंद्रभान इंदु सिंह प्रति आभार प्रकट किया। संचालन असलम नकवी व मौलाना बाकर मेंहदी जिम्मी ने किया। अली कमेटी, हुसैन कमेटी, अब्बास कमेटी, के लोगों ने शबील का इंतजाम किया इस प्रोग्राम मे चढ़ बढ़कर हिस्सा लेने वाले पूर्व सभासद शबीब हैदर उर सदफ, डॉ.जाफर आब्दी(जोया साउण्ड) हाजी मोहम्मद मेहदी उपाध्यक्ष, अफरोज,बाबर मोहम्मद मेहदी, दिलशाद हुसैन, फैज मेहदी, जीशान हैदर, पोपट, एबाद, बबलू लंबू, चंदन, शाजान खान, फैजान अली दिलदार हुसैन, शादाब, मोनिस, हसन, आकाश, समन खान, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व स्वतन्त्रता दिवस 15 अगस्त, 2025 के अवसर पर जौनपुर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर के नगरवासियों को हार्दिक बधाई एवं पालिका नगर वासियों से निम्नलिखित अपील करती है:-

1. गृहकर, जलकर व जलमूल्य का भुगतान 31 मार्च 2026 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठावें।
2. दुकानों, होटलों, रेस्टोरेन्ट, नर्सिंग होम, हॉस्पिटल पर देय किराया व लाईसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।
3. अपने-अपने घरों से निकलने वाले दैनिक कूड़ों को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेकें इधर-उधर, तितर-बितर न करें। झाड़ू लगने के पश्चात् कूड़ा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फेकें, अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।
4. सड़क, पटरियों, नालियों व नालों पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।
5. पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।
6. जन्म-मृत्यु का पंजीकरण 21 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य करायें।
7. अपने घरों के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोड़कर पेयजल का अपव्यय न करें। खुली टोटी पाये जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।
8. नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचायें।
9. प्रतिबन्धित पॉलिथीन, थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंझे के खरीद, बिक्री, स्टोरेज व उपयोग वर्जित है, इसका उपयोग कदापि न करें, यह गम्भीर अपराध है पकड़े जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।
10. देय करों गृह कर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा ऑनलाइन करें।
11. डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में नगर पालिका के कर्मियों का सहयोग करें।
12. शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कदापि न करें, इससे बिमारी फैलती है।

(पवन कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, जौनपुर

समस्त मान्य सभासद
नगर पालिका परिषद, जौनपुर

(मनोरमा मौर्या)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, जौनपुर

पत्रांक: 770/ तीन-सामा0/ 2025-26 दिनांक: 13 अगस्त, 2025

स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराया, और गेस्ट ऑफ ऑनर का दिया सम्मान

उदयपुरवाटी। कस्बे की चुंगी नंबर 3 पर स्थित राजकीय आयुर्वेद औषधालय एंड वेलनेस सेंटर में 79 वे स्वतंत्रता दिवस पर शान से झंडा फहराया गया एवम् उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत गाया। इस दौरान हर साल की भांति इस साल का गेस्ट ऑफ ऑनर का सम्मान यहां के प्रजापति धर्मशाला के अध्यक्ष फूलचंद लुहानीवाल को ब्लॉक आयुष चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. राकेश माहिच व विजय कुमार शर्मा कंपाउडर,श्री श्याम मेडिसिन सेंटर के महेंद्र माली (कुआ फिराश वाला)द्वारा दिया गया।आपको बता दे कि हर साल राष्ट्रीय पर्व पर यह सम्मान देने की घोषणा यहां के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी ने की थी,जिसको आज तक निभाया जा रहा है और विशिष्ट जनों को प्रदान कर रहे हैं। इस मौके पर योग इंस्ट्रक्टर विकास कुमावत,प्रताप राम सैनी,अनवर तेली, रोहित कुमार, मुकेश कुमावत,नाथू सिंह,सुशील सैनी अध्यक्ष बजरंग दल,हरि सिंह,गधूराम और सुलतान सहित कई जने उपस्थित रहे। सभी को मिठाई वितरण की गई।

कांदिवली में अटल स्मृति दिवस का आयोजन हुआ

कांदिवली, मुंबई। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल विहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा को माल्यार्पण का कार्यक्रम क्रीड़ा संकुल, कांदिवली-पूर्व में आयोजित किया गया। स्मृति दिन के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें वंदन किया । इस आयोजन में भारी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे जिन्हें जनसेवक गोपाल शेट्टी ने संबोधित किया। स्मृति दिन के इस आयोजन में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ चारकोप के विधायक योगेश सागर, उत्तर मुंबई भाजपा के जिलाध्यक्ष दिपक उर्फ बाला तावड़े सहित पार्टी के स्थानीय पदाधिकारीऔर कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पोइसर जिमखाना में स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य आयोजन हुआ

कांदिवली, मुंबई। कांदिवली स्थित पोइसर जिमखाना में 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का जश्न मनाने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी और बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित हुए और आयोजन को यादगार बनाया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को लेकर अपने दिल की गहराइयों से भाषण दिया, जिससे उपस्थित नागरिकों को प्रेरणा मिली। उन्होंने हमारे देश के समृद्ध इतिहास और स्वतंत्रता के लिए सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ, विधायक संजय उपाध्याय, जिमखाना के अध्यक्ष मुकेश भंडारी, उपाध्यक्ष करुणाकर एस. शेट्टी और जयेश मोदी, चेतन शाह, मोहन परब, हसमुखभाई मकवाना, मयूर ओवरसियर और कई अन्य समिति सदस्यों सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर भारतीय प्रजापति कल्याण संघ द्वारा जन जागरण मार्च व नोटबुक वितरण

वापी(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय प्रजापति कल्याण संघ द्वारा वापी में एक भव्य जन जागरण मार्च तथा निःशुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रजापति समाज को जागरूक करना तथा समाज के बच्चों को शैक्षिक सहयोग प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राम सूरत प्रजापति ने की। इस अवसर पर सैकड़ों बच्चों को निशुल्क नोटबुक वितरित की गईं, जिससे समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े और बच्चों को प्रोत्साहन मिले।

इस आयोजन में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से नवनीत प्रजापति, सुशील प्रजापति, ओमप्रकाश प्रजापति, रमाशंकर प्रजापति, उमाशंकर प्रजापति, ओमप्रकाश ओमी, मिठाई लाल प्रजापति, निठुरी प्रसाद प्रजापति, अविनाश प्रजापति, श्लोकी नाथ प्रजापति, तथा एनसीआर समाचार से संदीप प्रजापति और राजन प्रजापति सम्मिलित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे चंद्रशेखर पंडित प्रजापति, जो अभिजीत इंजीनियरिंग, वापी के ओनर हैं। कार्यक्रम का संचालन सुनील प्रजापति, संस्थापक दक्ष आर्मी, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम समाज में एकता, शिक्षा व जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

स्वतंत्रता आन्दोलन में काशी के पत्रकारों का अहम योगदान : आयुष मंत्री

सुरेश गांधी

वाराणसी। स्वतंत्रता दिवस का पर्व केवल तिरंगा फहराने और औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन आदर्शों और बलिदानों की याद का दिन है, जिनसे हमारे राष्ट्र की नींव पड़ी। काशी पत्रकार संघ और वाराणसी प्रेस क्लब द्वारा पराड़कर स्मृति भवन के गर्दे सभागार में आयोजित सांस्कृतिक संध्या और सम्मान समारोह इसी भावनात्मक विरासत को पुनः स्मरण कराने वाला जीवंत उदाहरण है। इस अवसर पर संघ और क्लब को नई ऊँचाइयों पर ले जाने वाले पंद्रह पूर्व अध्यक्षों तथा पत्रकार परिवार के सात प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया गया। इस मौके पर आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि काशी की पत्रकारिता ने स्वतंत्रता संग्राम को न सिर्फ को धार दी, बल्कि आंदोलन में अमूल्य योगदान दिया है। दरअसल, आजादी की लड़ाई केवल राजनेताओं या क्रांतिकारियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पत्रकारिता ने उसमें अगुवाई की। काशी से निकले अनेक पत्रकारों ने कलम को हथियार बनाकर ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी। पराड़कर स्मृति भवन में आयोजित यह समारोह हमें उसी परंपरा की याद दिलाता है। हम सब उनके संघर्ष और योगदान को नमन करते हैं। पत्रकारिता के इस मंदिर में आकर खुद को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। ऐसे में हम विश्वास दिलाते हैं कि उनके हर सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। यह वक्तव्य उस ऐतिहासिक सच्चाई को रेखांकित करता है कि पत्रकारिता केवल खबरों का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना का प्रहरी है।

समारोह का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष रहा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हेरिटेज आईएमएस के निदेशक डॉ. आकाश राय द्वारा पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए विशेष चिकित्सा पैकेज की घोषणा। इस दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रतिकात्मक हेरिटेज स्वास्थ्य परिवार कार्ड का अनावरण भी किया गया। डॉ. राय ने कहा कि हेरिटेज हॉस्पिटल पत्रकारों को परिवार की तरह चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि हेरिटेज में चिकित्सा का आज वह हर संसाधन उपलब्ध है जिसके लिए मरीजों को अन्य बड़े शहरों की शरण लेनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि डा. मधुकर राय, वीके दीक्षित समेत कई नामी चिकित्सकों की ओपीडी के लिए महज 20 से 40 रुपये देने होंगे। साथ ही भर्ती, जांच और ऑपरेशन पर विशेष छूट दी जाएगी। संघ के सदस्यों के लिए अलग काउंटर होगा।

इसके अलावा समारोह में श्रीकाशी विश्वनाथ नेमी भक्त मंडल के अध्यक्ष रामकुमार जायसवाल व सचिव शुभम मिश्र ने सभागार में 10 पंखे देने की घोषणा की। यह कदम केवल सहयोग भर नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। पत्रकार चौबीसों घंटे समाज के लिए सक्रिय रहते हैं, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में वे अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। वैसे भी पत्रकारिता और चिकित्सा, दोनों ही पेशे सेवा और त्याग से जुड़े हैं। इनका हाथ मिलाना समाज के लिए राहतकारी कदम है। कार्यक्रम की सांस्कृतिक संध्या में बच्चों की प्रस्तुतियां और वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान यह संदेश देते हैं कि पत्रकारिता की परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाली धरोहर है। यह आयोजन केवल सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा का माध्यम भी है। आज जब मीडिया बाजारवाद, टीआरपी की होड़ और डिजिटल दबाव से जूझ रहा है, ऐसे कार्यक्रम हमें याद दिलाते हैं कि पत्रकारिता का असली मूल्य जनहित और सामाजिक सरोकार में है।

पराड़कर स्मृति भवन में हुआ यह आयोजन हमें अतीत से जोड़ते हुए भविष्य की राह दिखाता है। पत्रकारिता को चाहिए कि वह अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी को याद रखे और समाज को सच, न्याय और उम्मीद से जोड़े। काशी पत्रकार संघ और प्रेस क्लब का यह प्रयास बताता है कि पत्रकारिता आज भी अपने मूल आदर्शों से विचलित नहीं हुई है। यही स्वतंत्रता दिवस का सच्चा संदेश है। कार्यक्रम में सम्मानित होने वालों में संघ और क्लब के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राममोहन पाठक, गोपेश पाण्डेय, प्रदीप कुमार, संजय अस्थाना, विकास पाठक, योगेश कुमार गुप्त, कृष्णदेव नारायण राय, बी.बी. यादव, सुभाष चन्द्र सिंह, राजनाथ तिवारी, डॉ. अत्रि भारद्वाज, राघवेन्द्र चड्ढा, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, चन्दन रूपानी और अरुण मिश्र शामलि है। जबकि प्रतिभावान बच्चों में अर्जुन सिंह, संस्कार मिश्रा, स्वीकृति मिश्रा, लक्ष्य केसरी, हर्ष सिंह, मानवेंद्र यादव और यश त्रिपाठी प्रमुख है। सांस्कृतिक संध्या में पत्रकार परिवार के बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया और प्रसिद्ध जादूगर बी.एम. लाल ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके संयोजक देवेश सिंह, देवकुमार केशरी एवं डा. रजनीश सिंह रहे। जबकि कार्यक्रम का संचालन विनय शंकर सिंह, रोहित चतुवेर्दी और आलोक मालवीय ने किया। स्वागत अध्यक्ष चंदन रूपानी ने किया, अध्यक्षीय उद्बोधन संघ अध्यक्ष अरुण मिश्र ने दिया।

महामंत्री जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने मेडिकल कार्ड की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष जयप्रकाश श्रीवास्तव व संदीप गुप्ता ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संघ भवन परिसर में काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्र ने सुबह नौ बजे ध्वजारोहण किया। खास यह है कि इस दौरान अतिथियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ पर केक भी काटा गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार शुभाकर दुबे, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, अखिलेश मिश्र, एके लारी, कैलाश यादव, केबी रावत, कविन्द्र नारायण, रमेश राय, विनय सिंह, रजत मेहरा, अजय मुखर्जी, हिमांशु उपाध्याय, दीनबन्धु राय, शैलेश चौरसिया, सुरेन्द्र तिवारी, सुनील शुक्ला, पुरुषोत्तम चतुवेर्दी, अश्वनी श्रीवास्तव, पंकज त्रिपाठी मनोज राय, प्रशांत मोहन, संजय गुप्ता, बच्चा गुप्ता, निधी मिश्रा, सुरेश गांधी, शंकर चतुवेर्दी आयुष मंत्री के पीआरओ गौरव राठी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वतंत्रता संग्राम की धरोहर और पत्रकारिता की जिम्मेदारी को याद दिलाने वाला पराड़कर स्मृति भवन का आयोजन सिर्फ सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा भी है।

पत्रकारों को मिला स्वास्थ्य सुरक्षा का संकल्प इस बात का प्रमाण है कि समाज और मीडिया का रिश्ता केवल खबर तक सीमित नहीं, बल्कि साझा जिम्मेदारी तक फैला हुआ है। पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, समाज और राष्ट्र की चेतना है। काशी पत्रकार संघ का स्वतंत्रता दिवस आयोजन पत्रकारिता की विरासत को सलाम करने के साथ-साथ भविष्य की जिम्मेदारियों का स्मरण भी है। पूर्व अध्यक्षों का सम्मान और स्वास्थ्य पैकेज की घोषणा इस रिश्ते को और गहरा बनाते हैं। खासकर तब जब मीडिया पर बाजारवाद का दबाव है, तब काशी पत्रकार संघ का यह आयोजन हमें याद दिलाता है कि पत्रकारिता का असली मूल्य जनहित और सामाजिक सरोकार में है। यही स्वतंत्रता दिवस का सच्चा संदेश है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लॉन्च की शानदार जेमस्टोन ज्वैलरी कलेक्शन व्याना

पटना(उत्तरशक्ति)। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने एक शानदार जेमस्टोन ज्वैलरी कलेक्शन व्याना को पेश किया, जो हर महिला की विशिष्टता का उत्सव है। व्याना की प्रेरणा इस विश्वास से ली गई है कि जैसे कोई भी दो रत्न एक जैसे नहीं होते, वैसे ही कोई भी दो महिलाएं भी एक जैसी नहीं होतीं। यह संग्रह स्त्री की व्यक्तिगत पहचान, आंतरिक शक्ति और आत्म-अभिव्यक्ति को समर्पित है। 18 कैरेट और 22 कैरेट सोने में बारीकी से तैयार किए गए इन आभूषणों में हीरे जैसी चमक और रंग-बिरंगे रत्नों की जीवंत आभा का मिश्रण शामिल है। इनके डिजाइन हल्के, प्रवाहमय और आधुनिक हैं, जो एक साथ ट्रेंडी, बोल्ड और आसानी से पहनने योग्य हैं। ये आधुनिक भारतीय महिला के लिए एकदम उपयुक्त हैं, जो विभिन्न जिम्मेदारियों, परंपराओं और ट्रेंड्स के बीच सहजता से संतुलन बनाती हैं। इस संग्रह का प्रत्येक आभूषण उनके बहुआयामी व्यक्तित्व का प्रतिबिंब है: सुंदर, शक्तिशाली और बिना किसी समझौते के प्रामाणिक। यह संग्रह हर महिला के भीतर मौजूद उस ऊर्जा को समर्पित है, जिसके दम पर वह परंपरा का पालन करते हुए अपनी अनूठी चमक बिखेरती है। इसके अलावा, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने जेमस्टोन ज्वैलरी फेस्टिवल में व्याना संग्रह के साथ-साथ उत्कृष्ट रत्नों और अनकट हीरों वाला पारंपरिक ज्वैलरी संग्रह भी प्रदर्शित किया है। इस फेस्टिवल में ग्राहक सभी रत्न और अनकट हीरे की ज्वैलरी पर मेकिंग चार्जेज में 25 फीसदी तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह विशेष ऑफर 7 सितंबर 2025 तक वैध है। नियम व शर्तें लागू। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने लॉन्च पर कहा, व्याना सिर्फ एक ज्वैलरी संग्रह नहीं है। यह एक महिला की जीजीविषा के विभिन्न रंगों को समर्पित है। व्याना का प्रत्येक रत्न शक्ति, सुंदरता और व्यक्तित्व की कहानी कहता है।

वसई में धड़क कामगार यूनियन का कार्यक्रम संपन्न

वसई। धड़क कामगार यूनियन द्वारा वसई-विरार नगर निगम के सफाई कर्मचारियों और आशा कार्यकताओं के लिए निःशुल्क छाता वितरण एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर नालासोपारा के विधायक राजन नाइक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक महासचिव, भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष एवं श्रमिक नेता अभिजीत राणे, और शिवसेना नेता नवीन दुबे विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहे। कार्यक्रम में पूर्व नगरसेवक दिनेश भानुशाली, संतोष घाग, भाजपा जिला महासचिव जोगेंद्र प्रसाद चौबे, मराठा समाज के सक्रिय कार्यकर्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा धड़क यूनियन के

उपाध्यक्ष एवं भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश के केरल प्रकाश संयोजक उत्तम कुमार द्वारा तैयार की गई थी। विधायक राजन नाइक ने अपने उद्बोधन में कहा, धड़क कामगार यूनियन समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक सहायता पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रही है। कोरोना काल में अभिजीत राणे द्वारा की गई मदद को वसई कभी नहीं भूलेगा। वर्षों तक एक ही परिवार का वर्चस्व रहा, लेकिन अब भाजपा की ताकत जनता की ताकत बन चुकी है। अभिजीत राणे ने अपने संबोधन में कहा, राजन नाइक जी ने भाजपा को वर्षों तक मजबूत किया है। उत्तम कुमार लंबे समय से उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान करना चाहते थे। नवीन दुबे ने भी अपने वक्तव्य में कहा कि अभिजीत राणे हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते आए हैं। वसई में भाजपा की ऐतिहासिक जीत में उनका योगदान निर्णायक रहा। कार्यक्रम संयोजक उत्तम कुमार ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ह्लपूर्व नगरसेवक, स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में सिद्धेश तावड़े, बाला सावंत, रॉकी किनी, राज वाघमारे आदि को धड़क यूनियन में महत्वपूर्ण पद सौंपे गए। इसके अतिरिक्त, विशाल मीडिया नेटवर्क प्रा. लि. के सीईओ अमोल राणे, भाजपा की नवनियुक्त जिला सचिव श्रीकुमारी मोहन, तथा यूनियन पदाधिकारी बी.के. पांडेय, गिरिराज शुक्ला, अभय झा, राजकुमार, रवि बनसोडे, फरीद शेख, नितिन तोरसकर आदि को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

बिहार की 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी गणतांत्रिक समाज पार्टी

बांका(उत्तरशक्ति)। गणतांत्रिक समाज पार्टी एवं भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में बांका नगर भवन में एक ऐतिहासिक जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक सशक्त पहल बना, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी नेतृत्व और राजनीतिक जागरूकता का सशक्त मंच भी सिद्ध हुआ। सम्मेलन में पूरे जिले से सैकड़ों प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसमें महिलाओं, युवाओं, पिछड़े, अति पिछड़े, दलित वर्गों और पारंपरिक शिल्पकार समुदायों की विशेष उपस्थिति रही। यह स्पष्ट संकेत था कि अब समाज का वह वर्ग, जो वर्षों तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित रहा, नेतृत्व की भूमिका निभाने को तैयार है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने संबोधन में कहा, अब चुप रहने का समय नहीं है। सदियों की चुप्पी ने हमें श्रमिक तो बना दिया, लेकिन निर्णयकर्ता नहीं। हमने अपने श्रम से इस देश की नींव रखी है, लेकिन अब हमें सत्ता के गलियारों में भी अपनी आवाज पहुंचानी है। गणतांत्रिक समाज पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व निर्माण की एक नई क्रांति है। उन्होंने घोषणा की कि गणतांत्रिक समाज पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी ऐसे कर्मशील, योग्य और संघर्षशील प्रत्याशियों को सामने लाएगी जो समाज के हर तबके का प्रतिनिधित्व कर सकें।

हमें अपने बच्चों को सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, बल्कि नेतृत्व, उद्यम और समाज निर्माण के लिए तैयार करना होगा। अब वक्त है कि पिछड़े, अति पिछड़े, दलित, महिलाएं और पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े वर्ग सत्ता की रचना में भागीदार बनें। इस सम्मेलन में पार्टी ने बांका विधानसभा सीट से गोपाल शर्मा को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया। श्री शर्मा वर्तमान में पार्टी के बांका जिलाध्यक्ष हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, बांका से जो राजनीतिक और सामाजिक क्रांति की शुरूआत हुई है, वह पूरे बिहार को एक नई दिशा देगी। यह मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है, और मैं इस विश्वास को पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। पटना जिला अध्यक्ष जयंत शर्मा ने सम्मेलन को नई राजनीति की शुरूआत करार देते हुए कहा, अब वक्त आ गया है कि हम सिर्फ वोटर नहीं, नीति निर्धारक बनें। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं भारतीय व्यावसायिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार पोद्दार ने कहा, शिक्षा, स्वरोजगार और राजनीतिक चेतना, यही समाज को सशक्त करने के तीन मुख्य स्तंभ हैं। जीएसपी इन तीनों मोर्चों पर काम कर रही है। सम्मेलन के दौरान पार्टी ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राज्य की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसी क्रम में बांका से गोपाल शर्मा को पार्टी प्रत्याशी घोषित किया गया। इसके साथ ही पार्टी ने यह निर्णय लिया कि बिहार के प्रत्येक जिले में इसी प्रकार के जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, ताकि संगठन की जड़ें पंचायत स्तर तक मजबूत की जा सकें। पार्टी ने यह भी ऐलान किया कि पिछड़ी, अति पिछड़ी, दलित जातियों, महिलाओं, युवाओं और पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को संगठनात्मक नेतृत्व में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए राज्य भर में नेतृत्व विकास शिविर, विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, और जनजागरण अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही, पार्टी एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रही है जिससे संगठन को पंचायत से लेकर संसद तक मजबूती से स्थापित किया जा सके।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने बाकरगंज पटना में खोला अपना नया शोरूम

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी और विश्वसनीय डायमंड ज्वेलरी ब्रांड किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने अपने विस्तार को और मजबूत करते हुए बिहार में 9वां, पटना में 5वां और पूरे भारत में 85वां शोरूम बाकरगंज में भव्य रूप से उद्घाटित किया।

इस अवसर पर हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, घनश्याम ढोलकिया सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में घनश्याम ढोलकिया, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, हरी कृष्णा ग्रुप ने कहा किसना का उद्देश्य हमेशा से रहा है कि हर घर तक विश्वसनीय, सुंदर और किफायती डायमंड ज्वेलरी पहुंचे।

बिहार हमारे लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार है और इस नए स्टोर के साथ हम अपने ग्राहकों के साथ गहरा और स्थायी जुड़ाव बना रहे हैं। पराग शाह, निदेशक, किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने कहा बिहार हमारे लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और बाकरगंज ज्वेलरी प्रेमियों का सदैव पसंदीदा केंद्र रहा है। हमें विश्वास है कि यह नया शोरूम गुणवत्तापूर्ण, स्टाइलिश और किफायती ज्वेलरी की खोज करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। फ्रेंचाइजी पार्टनर्स राजीव कुमार सर्राफ और तेजस्वी कुमार सर्राफ ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा किसना जैसे भरोसेमंद और उत्कृष्ट शिल्पकला वाले ब्रांड के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। इस नए शोरूम के माध्यम से हम बाकरगंज और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को विश्वस्तरीय डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी उपलब्ध कराना चाहते हैं।

उद्घाटन दिवस पर किसना द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा 100 पैकेट भोजन जरूरतमंदों को वितरित किए गए, जिससे समाज सेवा के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता और भी मजबूत हुई। किसना पूरे भारत में अपने शुद्धता, उत्कृष्ट शिल्पकला और ग्राहक संतुष्टि के लिए जाना जाता है और हर अवसर के लिए डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी का विस्तृत संग्रह प्रस्तुत करता है।

रियल एस्टेट रीबाउंड के लिए दर स्थिरता और ग्रीन नोड सुधार निर्धारित चरण

मुंबई। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए नीतिगत दोहरी वृद्धि में, भारतीय रिजर्व बैंक का उधार दरों को स्थिर रखने का निर्णय पर्यावरण मंजूरी में एक बड़ी बाधा को दूर करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के साथ आया है- मुंबई और पुणे में सैकड़ों विलंबित आवास परियोजनाओं को अनलॉक करना। 6 अगस्त को अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति समीक्षा में, आरबीआई ने लगातार तीसरी बैठक के लिए तटस्थ रुख बनाए रखते हुए रेपो दर को 5.50% पर अपरिवर्तित रखा। यह कदम जून में खुदरा मुद्रास्फीति को 2.1% के छह साल के निचले स्तर पर ठंडा करने के बावजूद आता है, केंद्रीय बैंक ने वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए-विशेष रूप से नए व.र. टैरिफ और अस्थिर कमोडिटी की कीमतें-सावधानी के कारणों के रूप में। श्री कमल शाह, पल्लाडियन पार्टनर्स एडवाइजरी लिमिटेड वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत का जीडीपी विकास अनुमान 6.5% पर बना हुआ है, आरबीआई ने अर्थव्यवस्था के माध्यम से अपना काम करने के लिए दर में कटौती के पहले के 100 आधार अंकों के प्रभावों की अनुमति देना पसंद किया है। अचल संपत्ति के लिए, इस ठहराव का मतलब है कि उधार लेने की लागत स्थिर रहती है, जो डेवलपर्स और घर खरीदारों को एक अन्यथा अस्थिर वर्ष के दौरान सांस लेने की जगह प्रदान करती है।

वीर हनुमान मंदिर पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट के हनुमान नगर स्थित वीर हनुमान मंदिर पर ॐ श्री नारायण सत्संग समिति द्वारा दि. 16 अगस्त दिन शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन भजन गायक विमलेश मिश्रा एवं जितेंद्र दुबे की टीम द्वारा रात 8 बजे से भजन संध्या का आयोजन बड़े ही धूम धाम से किया गया है।और रात 12 बजे भगवान कृष्ण कन्हैया के जन्मोत्सव के साथ सोहर तत्पश्चात आरती तीर्थ प्रसाद वितरण का कार्यक्रम में सभी भक्त गण शामिल होकर अपने आप को कृतार्थ करें।

पालघर जिला परिषद में संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज जयंती पर पालखी समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। संतश्रेष्ठ श्री ज्ञानेश्वर महाराज की 750वीं जयंती के अवसर पर 15 अगस्त 2025 को शाम 4 बजे पालघर जिला परिषद परिसर से भव्य पालखी सोहला उत्साह और भक्तिभाव के वातावरण में आयोजित किया गया। पारंपरिक भक्ति गीतों, वारकरी भावगीतों के गजर और टाल-मृदंग की गूंज के बीच निकली इस दिंडी में अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। पूरा परिसर ज्ञानोबा माऊली के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत व अतुल पारसकर, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर, शिक्षणाधिकारी (योजना) शेषराव बडे, महिला एवं बाल विकास अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स.तु. कदम विद्यालय के विद्यार्थियों ने विठ्ठल-रुक्मिणी तथा वारकरी संप्रदाय का पारंपरिक वेश धारण कर विशेष आकर्षण का केंद्र बने। बच्चों ने टाल-मृदंग की ताल पर पारंपरिक पोशाक में भावपूर्ण प्रस्तुति देते हुए उपस्थितों का मन मोह लिया। इस भव्य पालखी सोहले ने संत ज्ञानेश्वर महाराज की महान परंपरा और वारकरी संप्रदाय की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करते हुए सभी को भक्ति और सामूहिकता का संदेश दिया।

आशिर्वाद फाऊँडेशन द्वारा वृक्षारोपण एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह

मुंबई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आशिर्वाद फाऊँडेशन जीने का सहारा ने भाईंदर पश्चिम के उत्तन इलाके में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर संस्था के सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया। संस्था ने इस अवसर पर विशेष स्लोगन दिया। एक वृक्ष इस शहर के स्वच्छ वातावरण के लिए। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के वीर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर मीरा-भाईंदर शहर की पूर्व नगरसेविका एवं समाज सेवी सुनीला शर्म और समस्त ब्राह्मण समाज फाऊँडेशन के संस्थापक सतेन्द्र शर्मा और विशेष रूप में उपस्थित रहे। आशिर्वाद फाऊँडेशन की ओर से गणेश

जिला परिषद-यूनियन बैंक समझौते का लाभ, मृत शिक्षक की पत्नी को मिला 1 करोड़ 15 लाख का बीमा दावा

पालघर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक दायित्वों को सर्वोपरि मानते हुए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी संवेदनशीलता और पारदर्शिता का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। अक्टूबर 2023 में जिला परिषद पालघर और यूनियन बैंक के बीच हुए समझौते के अनुसार, परिषद के सभी कर्मचारियों को वेतन खाते के साथ जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इसी योजना के अंतर्गत दिवंगत शिक्षक स्व. विलास दत्तू मढवी के परिवार को लाभ प्राप्त हुआ। बैंक ने उनकी पत्नी रंजना विलास मढवी को 1 करोड़ 15 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा दावा चेक शुक्रवार 15 अगस्त 2025 को जिला परिषद पालघर स्थित जननायक बिरसा मुंडा सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सौंपा। रंजना विलास मढवी को 1 करोड़ 15 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा दावा चेक सुपुर्द करते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि जिला परिषद के प्रत्येक कर्मचारी को यूनियन बैंक के साथ हुए इस समझौते के तहत उपलब्ध जीवन, दुर्घटना और स्वास्थ्य बीमा पैकेज का लाभ अवश्य लेना चाहिए। यह सुविधा न केवल आर्थिक सुरक्षा देती है, बल्कि संकट के समय परिवार के लिए मजबूत सहारा भी बनती है।इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी सचिन कवठे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, अतुल पारसकर, आर.एच. पाटील, पूर्व मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी धनराज पांडे, तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उपक्षेत्र प्रमुख सावन शिव (मुंबई-बोरीवली), रवि रंजन, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रमुख व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान यूनियन बैंक के उपक्षेत्र प्रमुख सावन शिव ने कहा कि दुर्घटना और मृत्यु से संबंधित दावे यूनियन बैंक द्वारा पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निपटाए जाते हैं। हमारा उद्देश्य केवल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना नहीं, बल्कि ग्राहकों की आर्थिक सुरक्षा और परिवार की स्थिरता सुनिश्चित करना भी है।

स्वतंत्रता दिवस पर उत्तर भारतीय संघ ने किया शहीदों के परिजनों का सम्मान

मुंबई। देश के 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में देश भक्ति गीतों की गूंज के बीच देश की एकता और आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों के परिजनों को उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और उन्हें एक-एक लाख रुपए की सम्मान निधि का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में भारत माता, बाबू आरएन सिंह और स्वर्गीय बांकेराम तिवारी की तस्वीर पर पुष्पहार अर्पित कर की गई। इसके बाद भारत माता की जय के गगनभेदी नारे और देशभक्ति गीतों से पूरा हाल गूंज उठा, जिसने उपस्थित लोगों में जोश और गर्व भर दिया।

इस अवसर पर जिन शहीद परिवारों का सम्मान किया गया, उनमें बांग्लादेश युद्ध में शहीद लांस नायक शांताराम मोरे की पत्नी उज्जवला मोरे, पठानकोट हमले में शहीद हवलदार सूर्यकांत तेलंगे की पत्नी मनीषा तेलंगे, कुपवाड़ा में ऑपरेशन रक्षक के दौरान शहीद कैप्टन विष्णु गोरे की माता अनुराधा गोरे, पुलवामा में शहीद मेजर यशिन रमेश आचार्य की माता ग्रेस रमेश आचार्य, शहीद अग्निवीर मुरली श्रीराम नाईक की माता ज्योति बाई नाईक का समावेश रहा।

समारोह के प्रमुख आयोजक और उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को यह जानना जरूरी है कि स्वतंत्रता हमें यूं ही नहीं मिली, बल्कि अनगिनत बलिदानों और साहस की कीमत पर मिली है। हमारा कर्तव्य है कि शहीदों की अमर गाथा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाते रहें। कार्यक्रम में शारदा प्रसाद सिंह, पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व मंत्री नसीम खान, पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, भाजपा विधायक राजहंस सिंह, उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, आरयू सिंह, अवनीश सिंह, डॉ राधेश्याम तिवारी, संजय सिंह, गीता सिंह, अजय कुमार सिंह, डॉ किशोर सिंह,देवेंद्र तिवारी सहित उत्तर भारतीय संघ की कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया।

10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

मुंबई। 15 अगस्त 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, श्री सिद्धि सागर संस्था एवम श्री साईं सेवकरी न्यास (वर्ली) के संयुक्त तत्वावधान में 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी हरिनाथ तिवारी साहेब और समाजसेवी शिक्षक बालगोविंद तिवारी साहेब मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र ए. खानविलकर ने किया। विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव विनायक पाटिल और साईं सेवकरी न्यास वर्ली के सचिव श्रीयाल तोडणकर, संस्था के सभी सेवक और पदाधिकारी, निवासी उपस्थित थे। संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र खानविलकर, साईं सेवकरी न्यास के जाफर मोहम्मद शेख, राहुल खानविलकर, राजेश ठाकुर, श्रेयस तोडणकर ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।

मुलुंड में विविध स्थानों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

मुंबई। मुलुंड में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। मुलुंड कांग्रेस कार्यालय पर मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा द्वारा ध्वजरोहण, मुलुंड कॉलोनी कांग्रेस कार्यालय पर डॉ. आर. आर सिंह, संजय गाँधी नगर पर डॉ. बाबूलाल सिंह, शास्त्री नगर पर राजेंद्र उठवाल, शहीद भगत सिंह नगर पर मोहन लाल राज, वैशाली नगर पर गयाप्रसाद गुप्ता, अमर नगर पर अनिल ओरा, ने ध्वजा रोहण किया। समारोह का आयोजन अरविन्द यादव, मथुरादास गुप्ता, अब्दुल जब्बार, भगवान किशोर तिवारी, संतोष सिंह, राजबहादुर गुप्ता, राजकुमार यादव, एड शरीफ खान, रइस खान ने किया। जवाहर टॉकीज, आर पी रोड़ पर रमाशंकर तिवारी (महासचिव समाजवादी पार्टी), द्वारा ध्वजारोहण किया गया। आयोजन अनिल यादव, अभयराज यादव, अनिरुद्ध दुबे द्वारा किया गया। संमिश्र सोसाइटी, केशव पाड़ा पर ध्वजा रोहण कार्यक्रम में डॉ. बाबूलाल सिंह, डॉ सचिन सिंह, डॉ आर एम पाल, अजय आर. सिंह, मैथ्यु चेरियन, उपस्थित रहे। आयोजन राजु कर्वे, अमित यादव, हनुमंत दाभाड़े ने किया।

79 वां स्वतंत्रता दिवस पर कुर्ला में दी गयी तिरंगे को सलामी

मुंबई। 15 अगस्त 2025 शुक्रवार 79 वा स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फिराया गया और सभी ने मिलकर भारत देश के तिरंगे को सलामी दी और राष्ट्रीय गीत ₹जन गण मन अधिनायक जय हे₹ के साथ गाकर खुशी मनाई और साथ ही साथ भारत माता की जय,वंदे मातरम्,इन्कलाब जिंदाबाद, हिंदुस्तानी जिंदाबाद के नारो और मुँह मीठा किया गया भारत देश तिरंगे का कार्यक्रम नवजीवन सोसाइटी,न्यू मिल रोड,कुर्ला (पश्चिम) मुंबई,लिटिल स्टार प्री स्कूल,हबीब हॉस्पिटल के पास,कुर्ला (पश्चिम) मुंबई,कोलवरी गावंठाण, ST ROQUE PRA कलिना सांताक्रूझ(पूर्व) मुंबई इस मौके पर मौजूद रहे सुखबिंदर सिंह(लाला भाई), मो.शोएब खान, जय हिंद कुमार प्रजापति, इस्लाम खान, अजय कुमार यादव, सज्जाद अली, अबुशाद, फैजान शेख,हनीब,कलीम शाह,कलाम,इलियास शाह, इस्माइल शेख, कुदरत खान, अवैस खान, रियाज शेख और स्कूल के बच्चे भी मौजुद रहे और अन्य लोगों ने भी मिलकर भारत देश के तिरंगे को सलामी दी गई.

विक्रोली पार्कसाइट के पहाड़ी इलाके में भूस्खलन से दो लोगों की मौत

-आदेश मिश्र

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट के पहाड़ी पर एक बड़ी झुग्गी बस्ती है। यहां पहाड़ी पर कई घर हैं। कई इलाकों में सुरक्षा दीवार बनाने के बावजूद हर मानसून में यहां भूस्खलन का खतरा बना रहता है। यह आशंका शनिवार सुबह सच हो गई।इस हादसे में वर्षानगर के जनकल्याण हाउसिंग सोसायटी के रहने वाले मिश्रा परिवार का घर भूस्खलन के नीचे दब गया। जिसमें मिश्रा परिवार के दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि चार का घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के करीब 2:30 बजे मिश्रा परिवार के घर पर भूस्खलन हुआ। घटना की सूचना मिलने पर दमकल और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुँचे। बचाव कार्य के बाद, मिश्रा परिवार को भूस्खलन के मलबे से बाहर निकाला गया। हालाँकि, सुरेश मिश्रा (उम्र 50) और शालू मिश्रा (उम्र 19) की अस्पताल पहुँचने से पहले ही मौत हो गई। जबकि आरती मिश्रा (उम्र 45) और ऋतुराज मिश्रा (उम्र 20), माँ-बेटे का राजावाड़ी अस्पताल में इलाज चल रहा है।इस मानसून से पहले, मुंबई नगर निगम ने पार्कसाइट के पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के खतरे के कारण कुछ इलाकों को खतरनाक घोषित कर दिया था। नगर निगम ने मिश्रा परिवार को अपना घर छोड़ने को कहा था। हालाँकि, मिश्रा परिवार वहीं रह रहा था। इस हादसे के बाद, नगर निगम अब आसपास के इलाकों में उन घरों में रहने वालों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा रहा है जहाँ भूस्खलन हुआ था। आज मौसम विभाग ने मुंबई में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसलिए, आज दिन भर भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। इसलिए, नगर निगम एहतियात बरत रहा है ताकि पहाड़ की मिट्टी न ढहे और कोई और हादसा न हो।

स्व.चंद्रशेखर शुक्ल को मरणोपरांत महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार

मुंबई। लोकाधिकार सेवा समिति के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट विक्रोली के पूर्व अध्यक्ष/ विख्यात लोकप्रिय,जनप्रिय समाजसेवी स्व. चंद्रशेखर शुक्ल को मरणोपरांत शनिवार को घाटकोपर वेस्ट के विधायक राम कदम के द्वारा घाटकोपर में भारत की सबसे बड़ी दहीहंडी उत्सव में महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार, विधायक प्रवीण दरेकर मौजूद रहे। यह महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार स्व.श्री शुक्ल के बड़े सुपुत्र श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को देकर सम्मानित किया गया। दहीहंडी में नगरसेवक सूर्यकांत गवली, निल किरीट सोमैया,चंद्रकांत मालकर, अशोक दुबे,अरुण एखंडे, अनिल निर्मले, विजय पुराणिक, गणेश भगत, राजन बोराटे, पूनम नायर बोराटे, पत्रकार दयाशंकर पांडेय, टीवी9 न्यूज के आनंद पांडेय, धर्मेंद्र दुबे, राहुल पांडेय, सुरेश सोनी, मनोज सिंह, संतोष गांजले, जे पी मिश्रा, अवधेश तिवारी,आदेश मिश्र, रामतीरथ शर्मा सहित कई इलेक्ट्रॉनी मीडिया प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधु, जनप्रतिनिधि तथा तमाम गोविंदा पथक मौजूद रहे।

पीएनबी ने गर्व एवं देशभक्ति के साथ भारत का 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने दिल्ली मुख्यालय, सर्कल और जोनल कार्यालयों सहित देश भर में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

समारोह की शुरूआत पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और पीएनबी के ईडी, सीवीओ और सीजीएम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में स्वतंत्रता सेनानी और पीएनबी के संस्थापक, लाला लाजपत राय को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा, इस 79वें स्वतंत्रता दिवस पर, हमें महान स्वतंत्रता सेनानी श्री लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित पीएनबी की 131 साल की समृद्ध विरासत पर गर्व है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, पीएनबी वित्तीय समावेशन, बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण, नवीकरणीय ऊर्जा निवेश और मजबूत बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से समावेशी और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम पीएमजेडीवाई, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, री-केवाईसी और डिजिटल साक्षरता पर राष्ट्रव्यापी अभियानों को सक्रिय रूप से चला रहे हैं। चंद्र ने साइबर सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों और सामूहिक सतर्कता की तत्काल आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से 30 सितंबर 2025 तक चलने वाले वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया, जो देश के अग्रणी बैंक के रूप में पहचाने जाने के पीएनबी के विजन का एक अंग है।

स्वर्गीय माता सेवक उपाध्याय सच्चे जन सेवक थे :सीमा द्विवेदी

जौनपुर। स्वर्गीय पंडित माता सेवक उपाध्याय पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जौनपुर की ग्यारहवीं पुण्यतिथि उनके पैतृक आवास भुइला पर सादगी के साथ मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर ज्येष्ठ पुत्र सुधाकर उपाध्याय पूर्व प्रमुख सिकरारा ने उपस्थित जनों का स्वागत किया। आभार ज्ञापन संतोष उपाध्याय द्वारा किया है। सीमा द्विवेदी सांसद राज्य सभा ने कहा कि पूज्यनीय पिताजी के पद चिन्हों पर चलकर ही समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाया जा सकता है और राष्ट्र तभी खुशहाल होगा जब समाज के अंतिम पायदान का विकास होगा। माता सेवक उपाध्याय फाउंडेशन की ट्रस्टी समरथी देवी ने पुण्यात्मा के पद चिन्हों पर चलने का संकल्प दोहराया और सुधा मिश्रा तथा सुशील उपाध्याय ने पिताजी को अपना आदर्श बताया। कार्यक्रम में सत्यप्रकाश पांडेय, लल्लन उपाध्याय, लालता प्रसाद यादव, अमरजीत सिंह, महेंद्र मिश्रा, राजेश्वरी सिंह, अमित सिंह, शरद सिंह, घनश्याम उपाध्याय, जयंत सिंह, लक्ष्मीनारायण सहित गणमान्य और क्षेत्र वासी उपस्थित रहे।

किड्स वाटिका में स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की रही धूम

पटना (उत्तरशक्ति)। के पी सरकार रोड मीठापुर पटना स्थित किड्स वाटिका इंटरनेशनल स्कूल में विद्यालय के निर्देशक सह प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। विद्यालय की उप प्राचार्या संजू कुमारी ने भारत के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और उनके योगदान के बारे में बच्चों को अवगत कराया। विद्यालय के शिक्षक बिट्टू कुमार के दिशा- निर्देश पर बच्चों ने पीटी, परेड एवं ड्रिल की प्रस्तुति दी। अंशुमान सर एवं स्वाती मिस के नेतृत्व में बच्चों ने नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुतियां हुई । विद्यालय के सलाहकार समन्वयक उमानाथ सर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। साथ ही साथ जूनियर सेक्शन में जन्माष्टमी उत्सव की धूम रही। राधे कृष्ण के पोशाक में विभिन्न कक्षाओं के बच्चों की नृत्य प्रस्तुतियां एवं झांकियां देखने लायक थी। श्री कृष्ण सुदामा दोस्ती की नृत्य नाटिका बहुत ही मनमोहक रही। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों एवं उनके अभिभावकों को राष्ट्रीय मिष्ठान्न के रूप में जलेबी एवं जन्माष्टमी के प्रसाद के रूप में परले एग्रो की तरफ से स्मूद लस्सी का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 1100 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी शिक्षकों एवं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करने वाले सभी कर्मचारियों को जूनियर बिल्डिंग कोऑर्डिनेटर अंजलि मैम ने धन्यवाद प्रेषित किया।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद स्थित करमहना गांव निवासी पत्रकार नान बाबू चौहान के निवास पर स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर समस्त ग्रामवासी उपस्थित होकर तिरंगा यात्रा पूरे ग्राम सभा में निकाली। छायाः उत्तरयात्ति

समाजसेवी मंगीता होरीलाल माखन ने मुंबई के रे-रोड इंदिरा नगर में गणतंत्र दिवस पर अपने सहयोगियों व बच्चों के साथ मिलकर झंडारोहण कार्यक्रम मनाया गया। छायाः उत्तरयात्ति

श्री वैदिक भट्ट ब्राह्मण संघ मुंबई कार्यकारणी का गठन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वैदिक परंपराओं एवं ब्राह्मणीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के पवित्र उद्देश्य से कार्यरत श्री वैदिक भट्ट ब्राह्मण संघ, मुंबई की केंद्रीय समिति द्वारा, संघ के संस्थापक आदरणीय श्री रविन्द्र नाथ शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में, नियुक्त चुनाव अधिकारी प्रो. दयानंद तिवारी ने वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय कार्यकारिणी समिति तथा नए शाखा अध्यक्षों की घोषणा की है। यह कार्यकारिणी एवं शाखा अध्यक्षों की नियुक्तियाँ 1 सितंबर 2025 से प्रभावी होंगी। जिसमें वरिष्ठ सलाहकार शिवकुमार शर्मा (माहिम), सुरेश शर्मा (खारघर) केंद्रीय कार्यकारिणी समिति 2025 के अध्यक्ष के. डी. शर्मा, उपाध्यक्ष चंदन शर्मा, उपाध्यक्ष संजय शर्मा, महामंत्री कौशलेंद्र शर्मा, संयुक्त सचिव अशोक भट्ट, संयुक्त सचिव पंकज शर्मा, प्रचार मंत्री डॉ रामप्रकाश राय, प्रवक्ता माता प्रसाद शर्मा, संगठन मंत्री रमेश शर्मा, संगठन मंत्री महेश शर्मा,

कोषाध्यक्ष रविन्द्र शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष ओम भट्ट, कानूनी सलाहकार अधिवक्ता हरिनाथ शर्मा, आंतरिक लेखा परीक्षक आनंद शर्मा (सी.ए.), प्रचार मंत्री सुनील शर्मा, सदस्य जितेन्द्र तिवारी, सदस्य सुरेश कैलाशनाथ शर्मा (वसई), सदस्य ब्रजेश शर्मा, सदस्य राहुल शर्मा (अधिवक्ता), सदस्य अरविंद शर्मा, सदस्य आनंद के. शर्मा, नए शाखा अध्यक्ष 2025वसई तालुका सी. डी. शर्मा, कल्याण-डोम्बिवली जयशंकर शर्मा, बोरीवली, कांदिवली, मलाड राकेश शर्मा, गोरेगांव, जोगेश्वरी, अंधेरी सुनील रामसुख शर्मा, बलसाड़ जिला प्रकाश शर्मा, संघ की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं शाखा अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ। व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व और सेवा का संकल्प भी है। हमें विश्वास है कि आप सभी समर्पण, सेवा, संयम और संगठन के मूल आदर्शों का पालन करते हुए संघ की गौरवशाली परंपरा को और अधिक सशक्त करेंगे तथा समाजोत्थान के कार्यों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। प्रोफेसर दयानंद तिवारी चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित थे।

शैक्षणिक संस्थानों में भी धूमधाम से हुआ ध्वजारोहण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। शहर के उमाशंकर चंपा देवी डीएवी पब्लिक स्कूल व गोरख सिंह कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस की 79 वीं वर्षगाँठ एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत ,भाषण,नृत्य एवं नाट्य अभिनय की सुंदर प्रस्तुतियों से सभी दर्शकों को देशप्रेम एवं भक्ति भावना से सभी को सराबोर कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के चेयरपर्सन सुगेन्द्र कुमार सिंह ने ध्वजारोहण कर अपनी ओजस्वी वाणी से सभी छात्र-छात्राओं , शिक्षकों एवं अभिभावकों में देश प्रेम व राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत कर उन्हें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनां दीं।

वही गोरख सिंह कॉलेज में कॉलेज के निदेशक डॉक्टर अभय कुमार सिंह ध्वजारोहण किया। महा विद्यालय परिसर में सेंट्रल स्कूल के छात्र-छात्राएं, गोरख सिंह इंटर कॉलेज की छात्र-छात्राएं, ुएं कॉलेज के छात्र-छात्राएं, एकत्रित होकर ध्वजारोहण कार्यक्रम को आकर्षण का केंद्र बनाए हुए थे। सभी शिक्षक जिसमें छात्र-छात्राओं ने शानदार कदमताल का नजारा पेश किया जिसमें शौर्य ,शक्ति और साहस का अद्भुत संगम देखा गया। इस पुनीत अवसर पर डीएवी विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर बिजय कुमार साहू और गोरख सिंह कॉलेज के डॉ अभय कुमार सिंह अपने-अपने स्कूल क कॉलेज में सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने अपने अभिभाषण में सभी को 79 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें देश प्रेम, मानवता और शिक्षा के प्रति सदैव तत्पर रहने की रह दिखाई । विश्व भारती ग्लोबल स्कूल में भूखल बाबा व सेंट जोसेफ स्कूल में सीओ पुनुष ने ध्वजारोहण किया। स्कूली बच्चों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए बच्चों ने अपने बेहतर कार्यक्रम पर अभिभावक व दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। सिकटीया प्रैक्टिकल उच्च विद्यालय प्रांगण में एच एम खुर्शीद अंसारी, विश्व भारती ग्लोबल स्कूल में विद्यालय के संस्थापक मुगल बाबा ने ध्वजारोहण किया। बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम का मंचन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

105 .22 लाख की तीन सड़क परियोजना का राज्यमंत्री ने किया शिलान्यास

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शनिवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव जी ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित / मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रूपए 105.22 लाख की लागत की तीन सड़क परियोजना का शिलान्यास किया।जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से

बलुआघाट में किले के बगल से दीपू पत्रकार के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु० 22.43 लाख नईगंज में रेखा श्रीवास्तव के मकान से शैल शिक्षा मन्दिर होते हुए श्रीनाथ के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु० 43.99 लाख वाजिदपुर दक्षिणी में सावित्री निवास से शुभफार्मा श्यामसुंदर के मकान से होते हुए व नारायण कोचिंग होते हुए लोहिया पार्क के सामने तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु० 38.80 लाख शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से डा रामसूरत मौर्य, मनीष श्रीवास्तव, ब्यूरो चीफ सहारा सैय्यद हसनैन कमर दीपू, पूर्व सभासद शाहिद मेंहदी, सुनील यादव, आनन्द निषाद बच्चा, राजेंद्र मौर्या, श्रीकांत सोलंकी, पण्डित जटाशंकर, अजीत श्रीवास्तव सहित आदि लोग मौजूद रहे।

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी का महापर्व

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के अकथा चौराहे पर 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राम सिंह मंत्री सारनाथ मंडल के द्वारा हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया आजादी का महापर्व,सभी क्षेत्रवासियों और वीर जवानों के साथ झंडारोहण बड़े ही गर्मजोशी से मनाया गया। कारगिरल योद्धाओं की उपस्थिति ने इस आजादी के महापर्व की तैयारियों में मानों चारचांद लगा दिया। क्षेत्रवासियों का मानना है के यह केवल आजादी का जश्न नहीं, बल्कि उन वीरों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन है।जिन्होंने अपना आज हमारे कल के लिए समर्पित कर दिया।कार्यक्रम में रामसिंह भाजपा के लोकप्रिय नेता, संजय सिंह(झब्बर), अजय सिंह(कारगिल योद्धा),सज्जन जायसवाल,पिंटू शुक्ला, राहुल सिंह, अतुल सिंह, बंटी सिंह, अप्पू सिंह, प्रभाकर चौबे, अवतार गुप्ता ,अलोक गुप्ता,शिवम सिंह,पप्पू सिंह और समस्त छेत्रवासी उपस्थित रहे।

वार्षिकउत्सव सह सांस्कृतिक कार्यकर्म का आयोजन

आत्मा कुमार सिंह, सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला दारौंदा प्रखण्ड अंतर्गत गुरुकुल प्ले स्कूल मर्दनपुर ब्रह्मस्थान, के प्रथम वार्षिकोत्सव सह सांस्कृतिक कार्यकर्म किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन महराजगंज जिला बनाओ संघर्ष समिति के सदस्य डॉ रामनारायण पाठक, आशीषरंजन सिंह, आत्मा सिंह,मनंजय सिंह, अजय सिंह, योगी अंगद जी महाराज, ने संयुक्त रूप से आयोजन किया गया । मंच संचालन आत्मा सिंह एवं अजय सिंह ने किया। सांस्कृति कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने एक से बढ़ कर एक प्रस्तुति पेश कर बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया । मौके पर गुरुकुल प्ले स्कूल के निर्देशक व संघर्ष समिति के प्रखण्ड अध्यक्ष अमित सिंह, प्रिंसपल, सुबी कुमारी, शिक्षिका नेहा कुमारी, अनिशा कुमारी, सलोनी कुमारी, कुन्ती कुमारी, संजू कुमारी, सपना कुमारी, ने बच्चो को ट्रेंड किया था। जिसके कारण कार्यकर्म में चार चांद लग गया था। सभी कार्यक्रम स्वतंत्रता दीवस को लेकर था। वीर शहीदों को याद कर उन्हें नमन किया गया।

सद्भावना के साथ तिरंगे का हुआ ध्वजारोहण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। स्वतंत्रता दिवस भारत देश का एक महान राष्ट्रीय पर्व है जो धर्म, जाति, क्षेत्र के बंधनों से परे महाराजगंज में हर प्रमुख जगह पर धूम-धाम से मनाया ।इस वर्ष हमारा देश 15 अगस्त को 79 वां स्वतंत्रता दिवस सेलिब्रेट किया। सरकारी स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तरों में ध्वजारोहण किया गया है। महाराजगंज एसडीओ निवास और अनुमंडल कार्यालय व बोर्ड मिडिल स्कूल के प्रांगण में महाराजगंज की एसडीओ अनिता कुमारी ने ध्वजारोहण किया। शहिद फुलेना स्मारक आंगन में रामराज प्रसाद ने ध्वजारोहण किया, वही अनुमंडल न्यायालय परिसर में न्यायाधीश हेमंत कुमार और कंचन यादव ने संयुक्त रूप से झंडा फहराया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निवास स्थल पर इसडीपीओ अमन कुमार ने ध्वज को ऊपर की ओर ले जाते हुए ध्वजारोहण किया। महाराजगंज ब्लॉक परिसर में महाराजगंज की प्रमुख बच्ची देवी गांधी मैदान में प्रभारी बीडीओ सह सीओ जितेंद्र कुमारने ध्वजारोहण किया। नगर पंचायत में नगर अध्यक्ष शारदा देवी, महाराजगंज सर्किल इंस्पेक्टर परिसर में अमरेंद्र कुमार व महाराजगंज थाना परिसर में थाना के इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने झंडा फहराया। कपूरी मूर्ति स्थल पर समाजसेवी सत्येंद्र ठाकुर, रजिस्ट्री कार्यालय परिसर में रजिस्टर लखन कुमार, बिजली विभाग के पावर सबस्टेशन में जेई आशीष रंजन व डिविजनल कार्यालय में एसडीओ दिलीप कुमार ने ध्वजारोहण किया। महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टर एस एस कुमार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर विपिन बिहारी सिन्हा, अधिवक्ता संघ कार्यालय पर संघ के अध्यक्ष ने ध्वजारोहण किया। महाराजगंज रेलवे परिसर में क्रिकेट वेंडर कामाख्या सिंह ने झंडा फहराया। अनुमंडल क्षेत्र की विभिन्न दलित बस्तियों में विभिन्न अधिकारियों ने जाकर मोहल्ले के बड़े बुजुर्ग समाजसेवी लोगों के से ध्वजारोहण कराई।

लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क में 16 अगस्त से आगन्तुको के प्रवेश पर टिकट/पास लागू

जौनपुर । जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 26 जुलाई 2025 को उद्यान विकास समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में 16 अगस्त 2025 से लोहिया पर्यावणीय उद्यान पार्क में टिकट व्यवस्था पुनः लागू कर दी गयी है। जिला उद्यान अधिकारीने अपील किया है कि अपना मासिक / त्रैमासिक/छमाही/वार्षिक, पास तत्काल बनवा लें। टिकट एवं पास की दर निम्नवत है। जिसमें दैनिक टिकट दर रू० 05, मासिक पास दर रु० 100, त्रैमासिक पास दर रू0 250, छमाही पास दर रु० 500, वार्षिक पास दर रू0 1000, पास बनवाने हेतु कृपया प्रभारी के मो0न0-7007284234 सह प्रभारी मो0न0-9580731907 से सम्पर्क कर सकते है। पार्क को स्वच्छ और सुन्दर रखने हेतु टिकट / पास बनवाकर सहयोग करें।

जिलाधिकारी के गौशाला में व्यवस्थाओं का लिया जायजा तथा किया गो-पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर तहसील बदलापुर के शाहपुर स्थित गौशाला में व्यवस्थाओं के जायजा लिया गया तथा गो-पूजन किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर गो-आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने गोवंशो को केला और गुड़ भी खिलाया। इस दौरान उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्वयं भी गो आश्रयस्थल में जाकर व्यवस्थाए सुनिश्चित कराएं। इसके साथ ही समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी अनिवार्य रूप से गो आश्रय स्थल में गोवंशों की नियमित चिकित्सकीय जांच भी करेंगे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह सहित केयर टेकर व अन्य उपस्थित रहे।

मिजार्पुरः अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

मिजार्पुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी- मिजार्पुर मार्ग पर सिकिया गांव के सामने सुबह अनियंत्रित ट्रेलर को चपेट में आने से मां और बेटे की मौत हो गई। चालक पेट्रोल पंप पर ट्रेलर छोड़ कर भाग गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चंदौली के ग्राम नेगुरा निवासी रुची सिंह (39) पत्नी विजय सिंह अपने पुत्र कुलदीप सिंह (18) दोनों अदलहाट थाना क्षेत्र के घरवासपुर जाने के लिए सिकियां मोड़ के पास खड़े थे। इस बीच, वाराणसी से सोनभद्र की तरफ जा रही अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आ गए। मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही नारायनपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। महिला के भाई आशीष सिंह की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।चौकी प्रभारी नरायनपुर अजय मिश्रा के अनुसार घटना के बाद ट्रेलर चालक घटना स्थल से आगे जाकर पेट्रोल पंप के सामने ट्रेलर छोड़कर भाग गया। रुची को दो बेटे हैं, जिसमें कुलदीप छोटा था। बड़ा बेटा आदित्य भी बाहर रह कर काम करता है। किसी कि शादी नहीं हुई है। कुलदीप कक्षा बारह में पढ़ता था। रुची के पति विजय सिंह मुंबई में रह कर काम करते हैं। खबर पाते ही वे मुंबई से चल दिए। हृदय विदारक घटना की जानकारी होते ही मायका व ससुराल पक्ष के लोग पुलिस चौकी नारायनपुर में जुट गए।

डॉक्टर वकील नजीर इण्टर कॉलेज में फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज, मना आजादी का जश्न

-आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां में डॉक्टर वकील नजीर इण्टर कालेज में 79 वा स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया फाउंडर मैनेजर वकील नजीर ने जंग ए आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दी गई कुर्बानियों को याद दिलाते हुए। देश में एकता अमन इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने देश के प्रति अपने कर्तव्य को निभाने के लिए प्रेरित किया इस मौके पर स्कूल के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।डा० वकील नजीर (फाउंडर & मैनेजर),डा० शमीम नजीर,मो० राफे शमीम,उमेश सिंह,नियाज अहमद,जीनत अशरफ,इस्मत शमीम,सुमन चौरसिया,खुशबू बानो,अजीम अहमद, समेत अधिक संख्या में छात्र छात्राएं इफ्फत शमीम,जैनब आरिफ ,समरा शाकिर ,मिशकात अफरोज ,कशफ महताब ,इंशा अबुसाद,उपस्थित रहे।

इडेन पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की धूम, सांस्कृतिक कार्यक्रम बीच हुआ भव्य कार्यक्रम

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के इमरान गंज स्थित इडेन पब्लिक स्कूल और नूरजहां गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रबन्धक परवेज आलम भुट्टू ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश की आजादी में अपने प्राणों की बलिदान देने वाले क्रांतिकारी और शहीदों को नमन करते हुए उनके बारे में उन्होंने विस्तार से बताया।विद्यालय के बच्चों द्वारा मार्च पास्ट एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर मौजूद अभिभावकों का मन बच्चों ने मोह लिया।उक्त मौके पर इडेन पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल शेख नजरुल इस्लाम,नूरजहां गर्ल्स कॉलेज की प्रिंसिपल मदीना बानो, सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया।

अंबरनाथ का प्राचीन शिवमंदिर बना आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र

अंबरनाथ। धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से समृद्ध अंबरनाथ का प्राचीन शिवमंदिर इन दिनों भव्य सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग महाभिषेक महायज्ञ का केंद्र बना हुआ है। दूर-दूर से आ रहे भक्तजन शिवमहिमा का दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं।

उद्योगपति डॉ संजय गुप्ता द्वारा आयोजित इस महायज्ञ के बीच आज जन्माष्टमी पर्व का आयोजन अद्वितीय रहा। जगतगुरु ब्रिजेशानंद महाराज के नेतृत्व में चल रहे इस महायज्ञ से पूरा परिसर भक्ति और आनंदमय वातावरण में डूब गया। सामाजिक कार्यकर्ता धनंजय बोराडे के संरक्षण में चल रहे धार्मिक कार्यक्रम में महाराज ने पारंपरिक सोहर गीत गाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने प्रवचन में जगतगुरु ने भक्तों को प्रेम की गहराई समझाते हुए कहा कि प्रेम वासना नहीं होता, सच्चे प्रेम का आधार त्याग होता है। उन्होंने कृष्णझराधा के मधुर संबंध, माता यशोदाझकृष्ण का वात्सल्य और भक्तझभगवान के पवित्र प्रेम की व्याख्या कर भक्तों को भावविभोर कर दिया। गुरुझशिष्य संबंध का उल्लेख करते हुए महाराज ने कहा कि समर्पण और श्रद्धा से जीवन का उद्धार संभव है।

आयोजक डॉ. संजय गुप्ता ने भक्तों के लिए अनुशासित और भव्य व्यवस्था की है। उनका उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि समाज को धर्म, सेवा और त्याग की राह पर प्रेरित करना है। इस अवसर पर भारत संवाद के सम्पादक अरविंद शर्मा, नवभारत के ठाणे प्रभारी राकेश पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार एच. पी. तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान लगातार महाभंडारा चलता रहा। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद का आनंद लिया और आयोजन की प्रशंसा की। अंबरनाथ के इस प्राचीन मंदिर में चल रहा महायज्ञ और जन्माष्टमी का आयोजन भक्तों को केवल धार्मिक अनुभव ही नहीं, बल्कि जीवन के आदर्श मूल्यों से भी जोड़ रहा है।

वसई टर्मिनस का निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू, 2026 में भूमि पूजन

वसई। वसई के नागरिकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है झ्र बहुप्रतीक्षित वसई टर्मिनस का काम जल्द ही शुरू होने जा रहा है। इस विषय पर DRUCC सदस्य निरंजन पाल ने हाल ही में वेस्टर्न रेलवे के चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (कंस्ट्रक्शन) से मुलाकात की, जिसमें उन्हें बताया गया कि टर्मिनस के निर्माण का टेंडर दिसंबर 2025 तक निकाला जाएगा।

इसके बाद अप्रैल 2026 में भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। यदि सब कुछ नियोजित रूप से होता है, तो 2027 के अंत तक वसई रेलवे स्टेशन से मेल ट्रेन सेवाएं शुरू हो जाएंगी।

इस महत्वपूर्ण परियोजना को लोकप्रिय कार्यसम्राट समाज सेवक व खासदार हेमंत सवरा, आमदार राजन नाईक, एवं महाराष्ट्र प्रदेश संयोजक झ्र रेलवे प्रवासी प्रकोष्ठ भाजपा कैलाश वर्मा के मजबूत नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है।

निरंजन पाल ने कहा कि हम सभी का उद्देश्य यही है कि वसई के नागरिकों को रेलवे से बेहतर यात्रा सुविधा मिले, उनकी तकलीफें दूर हों और एक अत्याधुनिक टर्मिनस की सौगात वसई को मिले। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि यह काम जल्द से जल्द पूरा होगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता जय प्रकाश मिश्रा का हुआ सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बोरीवली लेगांव बम ब्लास्ट में साध्वी प्रज्ञा ठाकुर का केश लड़ने वाले अधिवक्ता जय प्रकाश मिश्रा का हुआ सम्मान। स्वतंत्रता दिवस पर आचार्य नरेंद्र देव विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में श्री राम जानकी चॅरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा विद्यालय के अध्यक्ष अधिवक्ता जयप्रकाश मिश्र का मालेगाव बम विस्फोट के केस लड़ने में बड़े योग्यदान रहा है सनातन धर्म की रक्षा के लिये, विधायक श्री संजय उपाध्याय और श्री शंभूनाथ मिश्रा जी के साथ अमित झा ,सच्चिदानंद यादव, अँड अशोक मिश्रा ,संतोष दुबे, विनोद तिवारी, उमेश तिवारी, मुनीराम तिवारी, हरिप्रसाद तिवारी द्वारा बजरंग गदा देकर सत्कार किया गया।

जौनपुर में प्रेमी के वायदे के मुताबिक प्रेमिका दुल्हन बन करती रही इंतजार लेकिन प्रेमी ने शादी करने से किया इनकार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कोतवाली में दो दिन पहले लिखित स्टांप पर हुई थी शादी करने की तारीख तय।

रोती बिलखती युवती पहुंची थाना कोतवाली वहां मौजूद सी ओ सिटी से मिल लगाई इंसाफ की गुहार प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र का फिरोज शाह पुर नई कॉलोनी निवासी एक युवक पिछले 3 साल से प्रेमी बन कर रहा था युवती का शारीरिक शोषण शादी का देता रहा झांसा जब आपसी रजामंदी व लिखा पड़ी के बाद भी आज वह निकाह करने नहीं पहुंचा तो इंसाफ की आस में युवती पहुंची कोतवाली।

ट्रेन से गिर कर युवक की मौत, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

शहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)।यात्रा कर रहे एक ट्रेन यात्री जिसकी ट्रेन से गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।बताया जाता है की शनिवार को क्षेत्र के ।मजडीहा सर सैय्यद इंटर कालेज के पीछे रेलवे लाइन पर एक युवक का क्षत विक्षत शव पटरी पर पड़ा मिला।ग्रामीणों द्वारा कोतवाली पुलिस को सूचना दी गयी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए शिनाख्त का प्रयास किया।काफी जद्दोजेहद के बाद युवक की पहचान बिहार के बैकुंठ थाना क्षेत्र के उसरी बाजार निवासी उपेंद्र दास पुत्र विश्वनाथ के रूप में हुई।शिनाख्त के पश्चात पुलिस ने मामले की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी है।

भायंदर के काशी विश्वनाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मुंबई। वाराणसी के जग प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क में प्रख्यात समाजसेवी तथा राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में बनाए गए काशी विश्वनाथ मंदिर में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। शाम 8 बजे से ही भजन कीर्तन के साथ प्रारंभ कार्यक्रम रात 2 बजे तक चलता रहा। ठीक 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण की बनाई गई भव्य झांकी का परदा खोला गया। पंडित लल्लन तिवारी तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कांति तिवारी के अलावा श्रीमती विंध्याचली लालजी तिवारी तथा श्रीमती सुशीला उमाशंकर तिवारी ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती तथा पूजा कर सबके लिए सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर भारी संख्या में कृष्णभक्त महिलाएं, पुरुष तथा बच्चे उपस्थित रहे। रात 12 बजे के बाद पंडित लल्लन तिवारी के हाथों प्रसाद वितरण का कार्यक्रम शुरू हुआ, जो रात 2 बजे तक चलता रहा। इस दौरान लोगों की लंबी कतारें देखने को मिली। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में गाजीपुर जिला पंचायत अध्यक्ष शिशुपाल सिंह उर्फ घूरा सिंह, चंदौली जिला के पूर्व जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह फौजी, मंदिर के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पांडे, पंडित उमाशंकर तिवारी, समाजसेवी बी आर मिश्रा, डॉ मुरलीधर पांडे, एडवोकेट आरजे मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, डॉ मयूर दुबे, अभयराज चौबे, श्री राम मानस प्रचार समिति के अध्यक्ष श्रीराम दुबे, शारदा प्रसाद पांडे, प्रोफेसर विजयनाथ मिश्रा, दिनेश दुबे आदि का समावेश रहा ।

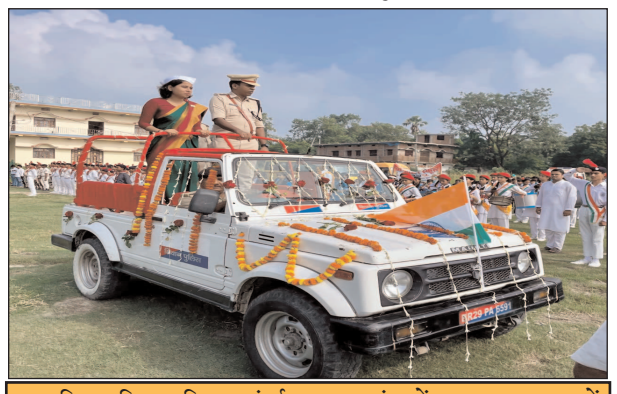

बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में 15 अगस्त 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर महाराजगंज स्कूल में स्कूली छात्रों के परेड का सलामी लेते एसडीओ, एसडीपीओ। छायाः उत्तरशक्ति